"क्रिया कलाप"

मैं एक्टिविटी इन्चार्ज प्रतिभा शुक्ला अपने प्रियजन पाठकों के समक्ष बच्चों के परवरिश के बारे में कुछ व्यक्त करने जा रही हूँ, जो इस प्रकार से हैं– सर्वप्रथम बच्चे की पाठशाला घर है तत्पश्चात विद्यालय है।

घर में बच्चों को जो सबसे खास चीज मिल सकती है, वह है मजबूत बुनियाद परिवार रूपी पेड़ में जड़ सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। किसी छोटे बच्चे के अच्छे और सहजीब भरे व्यवहार को देखकर उसकी टीचर ने पूछा– "तुम्हें मीठा बोलना और सहजीब किसने सिखाई है।" बच्चों ने जवाब दिया– "किसी ने नहीं मेरे परिवार में सभी ऐसा करते हैं।" तो यह Enviornment (वातावरण) का असर है अगर घर में इस प्रकार का माहौल रहेगा तो बच्चा अवश्य होनहार बनेगा। बच्चे के अच्छे विकास के लिए जरूरी है कि हम इस पर दुगना समय और आधा पैसा लगाएँ। बचपन में हासिल की गई शिक्षा बड़े होकर अज्ञानी बनने से कम तकलीफ देह है। ईमानदार माँ–बाप का होना एक महान विरासत है। जो माँ–बाप गलत व्यवसाय करते है वे बदकिस्मती से आने वाली पीढ़ी के लिए गलत उदाहरण पेश करते हैं। समाज में इज्जत की नजर से देखे जाने वाले माँ–बाप, रिश्तेदार या शिक्षक एक अच्छे आदर्श गुरू बन सकते हैं। कच्ची उम्र में बच्चे ऐसे बड़ों को आदर्श मान लेते हैं, जो महत्वपूर्ण ओहदों पर हैं। हम बड़े भी अपने सुपरवाइजर और मैनेजर को आदर्श मान लेते हैं।

"बच्चे वही सीखते है जो जीते है।" बच्चे जिस माहौल में रहते हैं वही सीखते है। अगर बच्चा आलोचना के माहौल में रहता है तो वह निंदा करना सीखता है। अगर बच्चा प्रशंसा के माहौल में रहता है तो तारीफ करना सीखता है। अगर लड़ने के माहौल में रहता है तो झगड़ना सीखता है। अगर बच्चा सहनशीलता के माहौल में रहता है तो धैर्य सीखता हैं। अगर बच्चा बेहूदे और खिल्ली उड़ाने वाले माहौल में रहता है तो वह संकोच करना सीखता है। अगर बच्चा प्रोत्साहन वाले माहौल में रहता है तो आत्म–विश्वास सीखता है। अगर बच्चा समर्थन करने वाले माहौल में रहता है तो खुद को पसंद करना सीखता है।

अगर न्यायसंगत के माहौल में रहता है तो इंसाफ करना सीखता है। अगर

बच्चा सुरक्षा के माहौल में रहता है तो वह भरोसा करना सीखता है। अगर बच्चा सहमति और दोस्ती के माहौल में रहता है तो वह दुनिया में प्यार ढूँढ लेना सीखता है।

"शिक्षा"

सीखने की इच्छा न होना शर्म की बात है। आदर्श शिक्षक अच्छे उदाहरणों से सिखा सकते हैं। जिन बच्चों को उनकी कच्ची उम्र में सच्चाई और ईमानदारी का महत्व समझाया जाता है, आमतौर पर ये उसे कभी नहीं खोते। ये जिन्दगी का एक हिस्सा ही बन जाते है और इसी की आज हमें हर क्षेत्र में तलाश है।

"बच्चे की परवरिश लोकप्रिय प्रतियोगिता नहीं है। एक उदाहरण के माध्यम से मैं परवरिश के बारे में बताने जा रही हूँ– "एक चोर को सजा सुनाते हुए जज ने उससे पूछा कि उसे कुछ और कहना? उस चोर ने जवाब दिया कि "हाँ मैं चाहता हूँ कि मेरे माता–पिता को भी मेरे साथ जेल भेजा जाये" जज के वजह पूछने पर उस आदमी ने जवाब में कहा "हुजूर जब मैं छोटा बच्चा था तो स्कूल से एक पेंसिल चुरा लाया, लेकिन मेरे माँ बाप को मालूम होते हुए भी उन्होंने मुझे कुछ भी नहीं कहा। उसके बाद मैंने एक पेन चोरी की तो माँ–बाप ने मेरी इस चोरी को भी नजर अंदाज कर दिया। उसके बाद मैंने स्कूल और पड़ोस में चोरियाँ की और इस तरह की चोरी करना मेरी आदत बन गई थी। मेरे माँ–बाप ने इस बात को जानते हुए भी मुझे कभी नहीं रोका। अगर जेल में मेरे माँ बाप को भी जगह दे दे तो बड़ी कृपा होगी।"

उसका कहना सही है क्योंकि माँ–बाप द्वारा अपनी जिम्मेदारियाँ पूरी न किए जाना उन्हें भी दोषी बनाता है। जिम्मेदारी चाहे किसी की भी हो, लेकिन चोर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

बच्चे की पसंद–ना पसंद जानना जरूरी है और उन्हें सही रास्ता चुनने का मौका देना चाहिए, लेकिन बगैर मार्गदर्शन के रास्ते चुनने देना बर्बादी लाता है। तन और मन की मजबूरी का नतीजा त्याग और आत्म अनुशासन है।

प्रतिभा शुक्ला
एक्टिविटी इन्चार्ज

निः शब्द

जब–जब मैं सोचती हूँ
मन के भावों को, कल्पनाओं को,
विचारों को दे दूँ मूर्त रूप
शब्दों में बाँध दूँ हृदय के उद्‌गारों को
तब–तब मैं हो जाती हूँ निःशब्द।।

क्या संभव है मन की व्यथा को,
शब्दों में बाँधना।

कहाँ से लाऊँ शब्द जो मुझको
व्यक्त करे, मेरे मन को उद्‌घाटित करे
मेरे कल्पनाओं को पंख दे,
जिससे विचरण कर सकूँ
खुले प्रेम से भरे वातावरण में,
पर प्रेम? प्रेम कहीं है पलता,
हर मनुष्य तो है जलता
ईर्ष्या, द्वेष एवं अहंकार से
ऐसे में मैं पुनः हो गयी निःशब्द।।

आज फिर हृदय में एक टीस उठी,
सोचा कि अपनी भावनाओं को उमड़ने दूँ,
उन्हें शब्दों में बाँधने को,
ज्यों ही उठाया कलम
शब्द कहीं अनंत में विलीन होते–से
प्रतीत हो रहे है, मेरी भावनाओं का
उपहास–सा उड़ाते हुए
और मुझे फिर कर गये निःशब्द।।

ललिता द्विवेदी
परीक्षा नियंत्रक
पी.जी.टी. हिन्दी

काश! मैं चिड़िया होती

काश! मैं चिड़िया होती
इधर फुदकती, उधर फुदकती
निर्भय होकर स्वच्छ गगन में
सारा दिन विचरण करती
शाम ढले वापस आकर
अपने नीड़ में सो जाती
काश! मैं चिड़िया होती।

सुबह–सवेरे चीं–चीं करके
सबको मीठी तान सुनाती
हर आँगन में मैं फुदकती
थोड़ दाना चुनका चुगती
जब भी कोई हाथ बढ़ाता
फुर्र से छत पर मैं उड़ जाती
काश! मैं चिड़िया होती।

चोंच में मैं दाना भर लाती
अपने छोटे बच्चों को खिलाती
चिन्ता नहीं मैं कल की करती
वर्तमान में जीवित रहती
अपनों द्वारा छली न जाती
कटुवचन भी ना सुन पाती
काश! मैं चिड़िया होती।

पंख पसार कर नील गगन में
दूर–दूलक मैं जाती
नदी, पहाड़, वन, उपवन में
घूम–फिर कर आती
अपने मधुर गीतों से मैं
प्यार का संदेश फैलाती
काश! मैं चिड़िया होती।

डाली, पत्ती फूलों से बातें करती
कुछ उनकी सुनती, कुछ अपनी कहती
यदि ऐसा होता तो, कितना अच्छा होता
मानव के छल प्रपंच से दूर मैं रहती
यदि बहेलिया मार भी देता
तो अफसोस न करती
जीवन किसी के काम आ गया
यही सन्तोष मैं करती
काश! मैं चिड़िया होती।

ललिता द्विवेदी
परीक्षा नियंत्रक
पी.जी.टी. हिन्दी

EXTRACTING CUBE ROOTS

The most common and conventional way of extracting cube roots is by factors here for example is how you extract the cube root of 474552 by this method.

$$474552 = \underline{2 \times 2 \times 2} \times \underline{3 \times 3 \times 3} \times \underline{13 \times 13 \times 13}$$

$$\sqrt[3]{474552} = 2 \times 3 \times 13 = 78$$

But there are simpler methods for extracting the roots of numbers which are exact cubes. I will show first how it can be done for numbers of up to six digits.

Again there is a table to remember, this time of the cubes of the numbers from 1 to 10

Number	Cubes
1	1
2	8
3	27
4	64
5	125
6	216
7	343
8	512
9	729
10	1000

The first thing to notice about this table is that the numbers from 0 to 9 all occur. If a number is cubic one can therefore determine the units figure of the cube root immediately. If a cubic number ends in 1, 4, 5, 6, 9 or 0. its cube roots will end in the same number. If it ends in 2 the cube root will end in 8, and if it end in 8 the cube root will end in 2. Similarly if the number end in 7 the units digit of the cube root will be 3 and if it ends in 3 the units digit of the cube root will be 7. You will also need this table when you come to determine the tens digit. If a cube has four fine or six digits the root will contain two.

To extract the root first divide the number into two groups by counting back three places from the units digit. For instance if you are extracting the cube root of 50653 divide it thus: 50, 653

Find the first digit of the cube root by referring back mentally to the table of cubes, 50 falls between 27 and 64 that is between 3^3 and 4^3 thus tens figure of the cube root you are finding will be the root of the lower number in this case 3. Now you must find the units digit and you know from the table that as the cubic number ends in 3 its cube root will end in 7.

The cube root you are seeking is therefore 37 there is another example.

To find the cube root of 681472

First divide the number into groups 681, 472

681 falls between the cubes of 8 and 9. The Tens unit is therefore 8. The whole number end in 2 the cube root therefore end in 8. The cube root is 88.

Anil kumar Tiwari
P.G.T.
Mathmatics

HUMAN DEVELOPMENT INDEX

What is the Human Development Index (HDI) ?

HDI is a composite statistic used as an index to rank countries by the level of "human development". The statistic is composed from statistics for life expectancy education, and standard of living, collected at the national level using a predetermined formula. The HDI looks beyond GDP for a better definition of well being. It provides a composite measure of three dimensions of human development :

(I) living a long and healthy life (measured by life expectancy)

(II) being educated (measured by adult literacy and gross enrolment in education)

(III) having a decent standard of living (measured by purchasing power party, PPP, income).

The index is not a comprehensive measure of human development. It does not include important indicators such as gender or income inequality nor concepts like respect for human right and political freedoms. But it provides a broadened prism for viewing human progress and the complex relationship between income and well-being.

How was HDI Formulated ?

The origins of the HDI are to be found in the United Nations Development Programme's (UNDP) Human Development Report (HDRs). These were devised and launched by Pakistani Economist Mahbubul Haq in 1990 with the purpose of shifting the focus of development economics from national income accounting to people centered policies.

How does India fare in the Human Development Report of 2009 ?

Between 1980 to 2007, India's HDI rose by 1.33% annually from 0.427 to 0.612. HDI scores in all regions have increased progressively over the years although there have been periods of slower growth or even reversals.

The Human Development Report of 2009 pertains to figures for 2007. As per this Report, India ranks 134th out of 182 nations, with an HDI of 0.612. With Life Expectancy of 63.4 years we ranked 128th among 176 nations with an Adult Literacy Rate of 66% we ranked 120 among 151 nations. Our combined Gross Enrolment ratio of 61% placed us at rank 134 among 177 nations and our per capita GDP of 2753 placed us at rank 128 among 181 nations.

What is Human Poverty Index ?

Human Poverty Index or HPI-1 focuses on the proportion of people below certain threshold levels in each of the dimensions of the Human Development Index-living a long and healthy life, having access to education, and a decent standard of living. By looking beyond income deprivation, the HPI-1 represents a multi dimensional alternative to the $ 1.25 a day (PPPUS$) poverty measure.

Yagya Lal Tiwari
PGT Commerce
(Head of Commerce Department)
S.M.P.P.S. Narayan Ashram Alld.

Unemployment

Unemployment (or joblessness), as defined by the International Labour Organization, occurs when people are without jobs and they have actively sought work within the past four weeks. The unemployment rate is a measure of the prevalence of unemployment and it is calculated as a percentage by dividing the number of unemployed individual by all individuals currently in the labour force. In a 2011 news story, Business Week reported, "More than 200 million people globally are out of work, a record high, as almost two-thirds of advanced economics and half of developing countries are experiencing a slowdown in employment growth, the group said."

There remains considerable theoretical debate regarding the causes, consequences and solutions for unemployment. Classical economics, neoclassical economics and the Austrian School of economics argue that market mechanisms are reliable means of resolving unemployment. These theories argue against interventions imposed on the labour market from the outside, such as unionization, minimum wage laws, taxes, and other regulations that they claim discourage the hiring of workers. Keynesian economics emphasizes the cyclical nature of unemployment and recommends interventions it claims will reduce unemployment during recessions. This theory focuses on recurrent supply shocks that suddenly reduce aggregate demand for goods and services and thus reduce demand for workers. Keynesian models recommend government interventions designed to increase demand for workers; these can include financial stimuli, publicly funded job creation, and expansionist monetary policies. Georgists, half a century before Keynes, also noted the cyclical nature but focused on the role of speculation in land which pushes up economic rent. Because rent must be paid mostly from wages (yield of labor) but also from interest (yield of capital), economic activity cannot be sustained in the rent bubble, which finally burst resulting in recessions or depressions. Once the speculation is wrung out of system the cycle of land speculation begins again.[4] Henry George therefore advocated the taxation of land values (Single Tax) to stop land speculation and in order to eliminate taxation of labor and capital. George opposed land nationalization and Marx's theories. Marxism focuses on the relations between the owners and theworkers, whom, it claims, the owners pit against one another in a constant struggle for jobs and higher wages. The unemployment produced by this struggle is said to benefit the system by reducing wage costs for the owners. For Marxists the causes of and solutions to unemployment require abolishing capitalism and shifting to socialism or communism.

By Shashank Shekhar Pathak
PGT (Economics)

RIGHT TO EDUCATION ACT

What does the Act provide ?

The Parliament passed the Right of Children to Free and compulsory Education Act on the 4th of August 2009, making education a Fundamental Right for every child in the country. The historic legislation underlines the obligations of the central and state governments for providing free and compulsory education to every child between the age of six and fourteen. Let us look at the basic provisions of the Act :

What are the respective obligations of the Centre, States, local governments schools and parents under the Act ?

The Central Government shall develop a framework of a national curriculum, enforce standards for training of teachers and provide necessary technical support and resources to the State Government for promoting innovations, researches planning and capacity building.

The State and local Governments shall ensure compulsory admission, attendance and completion of elementary education by every child of the age of six to fourteen years; (ensure available ility of) a neighborhood school, ensure that the children belonging to weaker section and disadvantaged groups are not discriminated against, provide infrastructure including school building, teaching staff and learning equipment, ensure (good quality elementary education, provide training for teachers and monitor the working of schools.)

While free education would be provided by government schools, even private schools and special category schools have to provide 25 percent reservation for economically disadvantaged communities in admission to Class one. No school can charge any capitation fee or adopt any screening procedure for parents/child.

It would be the duty of every parent to admit their children within 6-14 years of age to school.

D.P. Singh
TGT (S.St.)

CAREER REPORT : COMPUTER SCIENCE & INFORMATION TECHNOLOGY

Bill Gates founder of Microsoft helped to pupil an industry from his company's in 1975 to what it includes today converged networks, programming languages and digital platforms.

The rapid spread of computers and in Information technology has generated an overwhelming need for computer professional. "We are fortunate that C.S. department of our school has grown so rapidly that we have improved the inner working of our projects, practical which is the main demand for computer Science students.

Today student has to just to be more complete, not only in academics, but will be sounded in terms of technology how they fit into organizations to get white collar positions. The more lowered the student gets, the better the look from recruiter and hiring managers. Computer Science students gets a real world experience, so they know in which of those areas they would like to work.

For students—The skills you need to land a great first job after school and graduations are skills that will help you throughout your whole career. Learning how to express yourself well, the more preparations you put into your study curriculum, the better Results will be.

Jai Narayan
Neetika Srivastava
HOD-C.S. Department
S.M. Public School

"हिंदी हिंदुस्तान की"

विविध विधाओं का उद्गम है हिंदी हिंदुस्तान की,
अंतरात्मा का सरगम है हिंदी हिंदुस्तान की।।

भावों का उर्मिल सम्प्रेषण
सतत साधना का अन्वेषण
यह संज्ञा है जिसमें गुम्फित
बिखराने शब्दातीत विशेषण

इसमें सत्यम् शिवम्–सुंदरम् की तस्वीरें स्वयंप्रभा
राष्ट्रीयता का परचम है हिंदी हिंदुस्तान की।।

दरद दीवानी मीराबाई
वीर, प्रवीण, बंदबरदायी
सूरदास वात्सल्य शिरोमणि
तुलसीकृत दोहा, चौपाई

ममता, समता, क्षमता के आदर्शों का यह दर्शन है
और सहजता में अनुपम है हिंदी हिंदुस्तान की।

संस्कार की यह पयस्विनी
मनोधरातल की रसस्विनी
रीतिकाल में इन्द्रधनुष है
भक्तिकाल में है तपस्विनी

सर्वमुखी एकात्मबोध है; गहरे पानी पैठ कहें
करती सब कुछ हृदयंगम है हिंदी हिंदुस्तान की।।

हैं रसखान और रत्नाकर
सूर्यकांत, दिनकर से कविवर
शांति, क्रांति की मूल चेतना
भारतेन्दु ने किया उजागर

इसको तो स्वीकार करो सब इसको अंगीकार करो,
गंगा–यमुना का संगम है हिंदी हिंदुस्तान की।।

चिरनवीन है, अर्चनीय है
वंदनीय, अभिनंदनीय है
अगर मातृभाषा है तो फिर
माता जैसी पूजनीय है।

अपने भाव और भाषा से ही अपनी उन्नति होगी।
मानो नहीं किसी से कम है हिंदी हिंदुस्तान की।।

प्रतिभा पाण्डेय
अध्यापिका

Secret of Success

1. Success is better than failures Failures are also welcome If one can learn lessons from them.
   But perfection is unique which always leads to success.
   Then why not struggle to be Perfect in whatever we do?
2. Look at the clock, When you are sitting simply, but never look at the clock when you are working.

Kritika Chandel
Asst. Teacher

Do You Know?

1. A male emperor moth can smell a female emperor moth up to 7 miles away.
2. An average person laughs about 15 times a day.
3. 12 newborns will be given to the wrong parents daily worldwide.
4. Babies are born without knee caps - actually, they're made of cartilage and the bone hardens between the ages of 2 and 6 years.
5. Money isn't made out of paper. It's made out of cotton.
6. "I am" is the shortest complete sentence in the English language.
7. Chocolate can kill dogs, as it contains theohromine, which effects their heart and nervous system.
8. A saudi Arabian woman can get a divorce if her husband doesn't give her coffee.

Hema Shukla
Asst. Teacher

The Role of women in Modern India

We are living an age when women have a great opportunities in social work, public life and administration. Even in ancient India women were given the most reputed and honourable place. They are learnad and equal to men. They were entitled to study the vedas. They were also entitled to study the classics and chanting the gayatri Japa. All these things were open to our women. But our civilization became arrested and one of the main signs of that decay of our civilization was the subjection of women. In the medieval period women were bound to live within four walls. After Independence, through the exertions of Mahatma Gandhi. Women are coming into thier own.

Modern women are no less than men in any field. Rather than they are surpassing them. Nepoleon once said, "Give me good mothers and I will give you a good nation". Thinkers have said, "The hand that rocks the cardle is the hand that rules the world." Abraham Lincon said, "I am what my mother made me". The same is the true of Shivaji. He became great with the efforts of his mother Jijabai. Plato wrote, "God could not be anywhere therefore he made mothers. Such is the role of women in making of a man. In free India a girl can take any career she likes. There are many women working in different fields such as Politics, Administration and science. Smt. Pratibha Devi Singh Patil is the president of India. Many other women as Sonia Gandhi, Sushama Swaraj, Aishwarya Rai, Kiran Bedi, Mamta Benerji, Mayawati, Indira Muri and Jaylalita are the women who have opened way to women. They are working even in the departments which are considered fit for men. They are police officers, doctors pilots and in the political field. A few years ago late Indira Gandhi, the prime of India was a leader of world fame. Mrs. Vijay Laxmi Pandit occupied the chair of President of the U.N.O. Now there are lots of women are the members of Parliament and legislative assemblies.

Today women are choosing challenging careers. They are police officers, army officers, pilots and air hosterses. Who is not aware the name of Kiran Bedi, Kalpna chawla and sania Mirza. The careers of Telephone operators, T.V. announcers, receptionists and secretaries are nearly reserved for them. In the medical field women have proved their ability, skill and proficiency. In the field of education women are found to better teachers for little children. Some of them are the heads of the educational institutions, professors and lecturers in colleges and teachers in schools.

By Yogendra Pandey
T.G.T. Eng.

Importance of A Library

The more that you read, the more things you will know. The more that you learn, the more places you'll go.

Elixir for a bad mood, lifesaver while completing school assignments and a loyal companion by the bedside - books are a wonderful influence in your life. Be it your copy of the *Cat in the Hat*, your reference books in the library or novels that you curl up in the night - books enrich our lives and help us become the people that we are. People who are fond of reading will agree with the fact that a library is perhaps the most peaceful place on earth! If you are contemplating the thought of having a library in your home, here are some reasons, which will convince you that your decision is completely right! Here are some points about the importance of libraries.

Inculcating the Habit of Reading

Reading is regarded as one of the most enriching habits for the simple reason that it is not just a hobby or a pass time that entertains you, but it is also an educational activity and hence brings to you a vast reservoir of knowledge. Reading increases the drive for knowledge and inspires people to gain more information. Thus a library is a treasure of valuable books for the people to use and gain from it.

A library is a very important aspect in the learning process of your child. The extensive genre of children's literature is an essential part of the growing up process. In case you have enough resources, it is always advisable to have an in-house library. If you think you cannot afford a library at home, you can always visit a public library. Most of the public libraries are keeping with the times and equipped with facilities like CDs and even computers.

A library not only helps to inculcate the habit of reading but inculcates a thirst for knowledge.

Anshuman Srivastava
Librarian
S.M.P.P.S.

Bhaskar House Report - 2011-12

"Success never lower its standards to accomodate us, we have to rise our standards to achieve it."

House Incharge- Miss Hema shukla
House Captain- Aman Yadav
House Vice-captain- Swati Pandey
House Prefects- Rohit Gupta & Meenakshi Shukla
House Members- Nikita Mam, Purnima Mam, Archana Mam, D.P Sir, Shashank Sir& others.

Bhaskar means 'Sun', the source of energy and light and passionately Bhaskar House represented itself same in every activity of the school, during the academic year.

This academic session was full of many interesting and creative activities. In the 'Diwali Board Decoration competition' we were the IInd runner up. But in the 'Christmas and New Year Board Decoration-competition' all the students have done a marvellous job, especially Swati, Anushu & Anshika, Rishabh, Mayank. Then, We were the Ist runner up in the quiz competition by an admiring & fantastic performance of Vaibhav Tiwari (IX) and Mayank Gupta (IX).

After that, comes the glorious sports day, we were at the Ist position in three events- Junior Boys Relay Race, Junior Girls Relay Race and Senior Girls Relay Race. The participants- Sanjeev, Arun, Sonu, Anmol, Nidhi, Amrita Shukla, Akansha and others who gave their best and clunches up the fabulous memories with winners spirit for the Bhaskar House.

The Inter-School Karate- Do Championship' brought up the glory of School as well as Bhaskar house, we were at the Ist position in that tough competition also. Arun Singh won gold medal and Anmol Rawat performed Victoriously.

Anmol Rawat also begged 'Mother Teresa' award on the 'Donation Day, 22th October'.

I must congratulate all the students and teachers of Bhaskar house as all the success and achievements made possible through the efforts, hardwork, dedication and talents of Swati, Rohit, Meenakashi, Mayank, Arun Pandey, Arun Singh, Risabh, Poonam, Anusha, Anshika etc. Who gave their stupendous effort with cordial support in our success. Head Boy & Head Girl also done well and supported everybody. " The success is never permanent and failure is never final. So don't stop working till your victory makes history"
Keep the Bhaskar's Flag high....."

At the end, I would like to thank all the teachers, Pratibha Mam and Principal Mam for their benevolent and the most needed contribution.

Aman Yadav
(House Captain)

AGNI HOUSE REPORT 2011-2012

If you want to achieve things in life,
you've just got to do them
and if you are talented and smart, you'll succeed.

These lines acted like a booster for 'Agni' house to form again like a champion this year as well.

With our new house members and batch bearers we came across to achieve more and more success this year. Our house members; Devesh Tiwari, Sanjay Rai, Rashmi Maurya, Rohit Jaiswal , Rajni Pancholi, Arpana Yadav.

Our Batch Bearers;
Captain- Devesh Tripathi (XI)
Vice captain- Sukhmani Birdie(IX)
Prefects- Alok Mishra (IX)
Himanshu srivastava(IX)

This year also the hurdles, the challenges were harder and tougher but the desire of success and willingness to win had broken all that and we sailed smoothing all over.

Ups and down is seen by all the people and team and it also happened with us. But according to us and our values participation is more important then winning. And this also help in boosting our confidence.

We got the chance to cheer ourselves in 'Quiz Competition where we secured the 'first position' and improved our previous record. Senior and Junior students both with a team spirit performed and win laurels for our house.

The story of success never stops. Its a journey not the destiny. After the studies we have to perform in sports. This time in the inaugral series of inter house 'volley ball championship' we were the 1st runner up.

It is not all over. Our journey not stopped here. We performed fairly in other activities as well.

In the end we want to close with our success mantra:

'Aim high
Be cool
Every minute is precious
Reflect before you act
See the world
Be up to date
Push hard to achieve your goals
And success is yours.'

At last we are awful to our respected 'Principal Mam' and Manager sir for increasing our confidence at every instant of our difficult stages.

we are also thankful to our head boy 'Gopendra Pandey' and head girl 'Vasudha singh' for their all time co-operation.

Devesh Tripathi
House Captain
Agni house.

VASUNDHARA HOUSE REPORT - 2011-12
"SUCCESS COMES TO THOSE WHO DARE AND ACT".

House Captain: Rishi Tripathi
House Vice Captain: Divya Tripathi
House Prefects: Annu singh
Gautam singh.
House Incharge. Mrs. Preeti Dubey.
House Members: Mr. Surya Prakash sharma, Mr. Vedvyas, Mrs. Sonia, Mrs. Sweety, Mrs. Kiran, Miss. Kritika, Mrs. Priyanka, Mrs. Pratima.

'Vasundhara' symbolises greenery and happiness on earth. According to the word 'Vasundhara' the students of S.M.P.S spread the greenery of Knowledge and success in Campus.
In the previous year Vasundhara house could not achieve the zenith's height in the school but students efforts were at the top.

"Never lose hope, behind the cloud's
the sun is still shining."

The Academic session started with G.K Quiz Competition. Vasundhara house could not achieve good position but if there is no defeat, there is no victory. So, it does not matter whether we are first or second in position. The main thing of appreciation is that students had taken part in the competition and show their talents.

"Success is a journey not a destination."

In Volleyball competition we got first position against agni house. We bagged the first position in board decoration competition. In relay race of senior classes boys on children's day again hosted our victory flag in the campus.
Many students of our house showed their skills by participating in the various activities. The participation of many students was exemplary which make us to feel proud on them.
On22nd October there is a donation day in our school. Tushar(VIII) from the Vasundhara house bag the first place. He got Karana award .
The students of our house are not only stupendous in competition and performance but also are good rankers from the heart, emotions and responsibilities.
The house bearers also shouldered the responsibilities with full dedication and sincerity.
The teachers are very supportive in nature. They always encourage the students and stand with them in the obstacles.
Vasundhara house congratulate all the students for their best efforts and always encourage them to show their skill and talent in the coming years.
Last but not the least, the marvellous thanks goes to our principal Mam Mrs. Ravinder Birdie who had given us such golden opportunities to show our talent and skills.

"That some achieve great success is
Proof to all that, others can
achieve it as well."

- Abraham Lincion

By- Divya Tripathi (Vice-Captain)

Amber House Report

• House Teachers: Mrs. Priya srivastava (Incharge) Mrs. Rashmi Sri, Mrs. Pratibha Pandey, Mr. yogendra, Mr. Sher Bahadur.
• House Flag Bearers: Captain: Kalindi Srivastava.
Vice Captain: Sayujya Singh
Prefects: Akash Yadav
Vishal Keserwani

"Success is never find
and Failure never fatal
It's our courage that counts."

Following this idealistic virtue Blue House set out on the victory Path to bring laurels and make the house members proud of our name and fame. With the undying efforts of the students and under the blessed guidance of our house incharge, Mrs. Priya Srivastava we have achieved our goals successfully.

The students below contributed very much toward Blue House. as Shatakshi, Riya, Manisha, Anushya, Varuna etc.

The session started with the inter-house Quiz competition where we managed to perform fairly well and bagged the third place. Also in the Diwali House Board decoration event, Amber House students showed their creative efforts and also received the fruitfull result by getting the second place.

" Success is not in the trophy one,
it is in the race run"

Losing and winning doesn't matter it is the spirit of taking part and learning from the experience that matters.

Inter-house volleyball competition took place in the month of October and we got third position. Our players had given their best and there names are Anubhav Rawat-XI B, Shubham shukla-XI A Rishab-XI B, Gaurav singh- XI A, Vaibhav-XII A, Prateek-X, Bhaskar-X, Awaish-XII B.

Since "defeat is the first step of success". In Inter-house Karate compostition we bagged second place. This became only possible due to hard work and 100% contribution of the participants of Blue House.

At last, I want to express my heart felt gratitude towards every member of Amber House and I firmly believe that the house has great talents in store, who if nurtured carefully, will, blossom into best performers.

Kalindi Srivastava
(Captain)

बेटियाँ

बोए जाते हैं बेटे, उग जाती है बेटियाँ,
खाद–पानी बेटे को लहराती है बेटियाँ,
एवरेस्ट तक ठेले जाते है बेटे,
पर चढ़ जाती है बेटियाँ,
सताते है बेटे और,
रोती है बेटियाँ,
पढ़ने जाते है बेटे पर.....
"सफल हो जाती है बेटियाँ"।

प्रतीक्षा पाण्डेय
कक्षा – 1

किसी को बताना मत

देवताओं के राजा इंद्र है। उनका एक हाथी है– ऐरावत। रंग है उसका सफेद, विशाल माथा, गले में फूलों की माला बहुत ही सुन्दर है। एक दिन ऐरावत धरती दुनिया देखने निकला। रात का समय था एक ईख के खेत में उतरा ईख खाने लगा। वाह! क्या मीठा रस है और ऐरावत ढेर सारी ईख खा गया। सुबह किसान ने देखा। वह चिल्लाया–कौन मेरी ईख खा गया है? आज रात को पकड़ूँगा बच्चू को। वह मोटा रस्सा लेकर रात को खेत में आ गया। सूरज ढलते ही ऐरावत आसमान से उतरा। बड़े मजे से–लेकर ईख खाने लगा किसान ने रस्से का फंदा बनाया। घुमाकर ऐरावत की गर्दन में डाल दिया। फंदे में फँसा सफेद हाथी देखा तो बहुत प्रसन्न हुआ। बोला तुम ही मेरी मीठी ईख खाते हो। क्या खाने को कुछ नहीं मिलता तुम्हारे यहाँ? ऐरावत बोला मिलता है पर इतनी मीठी ईख नहीं मिलती। सेब मिलते है, घड़े जितने बड़े और सुनहरे अंगूर मिलते हैं, तरबूज जितने बड़े और बिना बीज के।

किसान बोला– मुझे भी ले चलो, अपने यहाँ। ऐरावत ने कहा– ठीक है कल तुम तैयार रहना। पर किसी को बताना मत।

किसान घर गया तो सोचा– माँ को बता दूँ। बिना बताए तो माँ चिंता करेगी।

माँ ने सुना– मैं भी साथ चलूँगी।

किसान ने कहा – ठीक है पर किसी को बताना मत।

माँ ने अपनी पड़ोसिन कमला को बताया। कमला ने अपनी सहेली को, सहेली ने पति को बस। बात फैलती गई किसान के खेत में भीड़ लग गयी ऐरावत आसमान से उतरा। सब पेड़ पौधों के पीछे छिप गए। किसान को देख ऐरावत बोला– पूँछ पकड़ लो। किसान बड़ा सा थैला लेकर पूँछ पकड़ने लगा। माँ ने किसान की टाँग पकड़ ली।

आदर्श
2 ब

कविता

माँ तो आखिर माँ होती है।
माँ से बढ़कर इस दुनियाँ में,
कोई चीज कहाँ होती है
माँ तो आखिर माँ होती है।
दर्द हमें जब होता है।
मुँह से माँ निकलता है।
क्योंकि बच्चों के दुःख से
माँ का दिल तड़पता है
सच कहते हैं लोग सयाने
माँ तो ठंडी छाँव है।
माँ तो महाशक्ति है
माँ ईश्वर की भक्ति है
अपने बच्चों की खातिर
माँ कुछ भी कर सकती है
माँ तो आखिर माँ होती है।

हर्षिता मिश्रा
3 ब

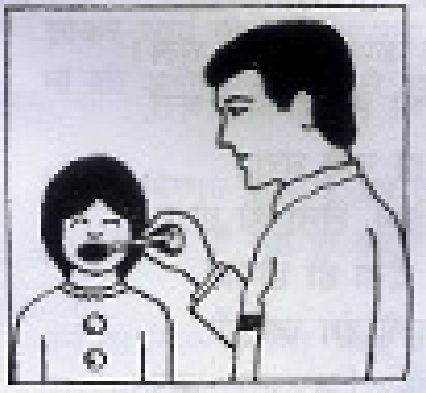

सीख

मिटा सको तो गर्व मिटाओ।
प्यार मिटाना मत सीखो।।
कमा सको तो पुण्य कमाओ।
पाप कमाना मत सीखो।।
लगा सको तो बाग लगाओ।
आग लगाना मत सीखो।।
बिछा सको तो फूल बिछाओ।
शूल बिछाना मत सीखो।।
बचा सको तो जीव बचाओ।
जीव मारना मत सीखो।।

हर्षिता मिश्रा
3 ब

चुटकुले

1. पहला लड़का – मेरी दीदी का नाम फूलकली है।
   दूसरा लड़का – मेरी दीदी का नाम अनारकली है।
   तीसरा लड़का– मेरी दीदी का नाम छिपकली है।
2. पहला लड़का– मेरे पापा के पास टॉफी की दुकान है। मैं रोज टॉफी खाता हूँ।
   दूसरा लड़का– मेरे पास के पास चॉकलेट की दुकान है। मैं रोज चॉकलेट खता हूँ।
   तीसरा लड़का– मेरे पापा के पास जूता की दुकान है। मैं रोज जूता खाता हूँ।
3. पिता पुत्र से – नालायक अपकी बार फेल हो गया तो मुझे पिता मत कहना।
   अगले साल
   पुत्र पिता से– अरे यार राम प्रकाश में फिर से फेल हो गया।
4. अध्यापक – तुम दो प्रश्नों का उत्तर देना पसंद करोगे या एक कठिन प्रश्न का?
   विद्यार्थी– एक कठिन प्रश्न का।
   अध्यापक – तो बताओं पहले मुर्गी हुई या अंडा?
   विद्यार्थी – अंडा।
   अध्यापक – कैसे
   विद्यार्थी – सर! आप तो यह दूसरा सवाल पूछ रहे है।

दिव्या तिवारी
3 अ

कविता

लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गाने प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी जरूर, आँसू के कण बरसाता चल।
सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकांश भरा,
कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा।
आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा।
जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा।
रंगों के सातों घड़े उँडेल, यह अँधियाली रंग जाएगी,
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल।

जय प्रकाश सिंह
3 स

माँ-बाप को भूलना नहीं

भूलों सभी को मगर, माँ–बाप को भूलना नहीं।
उपकार अगणित हैं उनके इस बात को भूलना नहीं।।

पत्थर पूजे कई तुम्हारे, जन्म के खातिर अरे।
पत्थर बन माँ–बाप का, दिल कभी कुचलना नहीं।।

मुख का निवाला दे अरे, जिनने तुम्हें बड़ा किया।
अमृत पिलाया तुमको, जहर उनके लिए उगलना नहीं।।

कितने लड़ाये लाड़, सब अरमान भी पूरे किये।
पूरे करो अरमान उनके, बात यह भूलना नहीं।।

लाखों कमाते हो भले, माँ–बाप से ज्यादा नहीं।
सेवा बिना सब राख है, मद में कभी फूलना नहीं।।

सन्तान से सेवा चाहों, सन्तान बन सेवा करो।
जैसी करनी वैसी भरनी, न्याय यह भूलना नहीं।।

सोकर स्वयं गीले में, सुलाया तुम्हें सूखी जगह।
माँ की अमीमय आँखों को, भूलकर कभी भिगोना नहीं।।

जिसने बिछाये फूल थे, हर दम तुम्हारी राहों में।
उस राहबर के राह के कंटक कभी बनना नहीं।।

धन तो मिल जायेगा, मगर माँ–बाप क्या मिल पायेंगे?
पल–पल पावन उन चरण की, चाह कभी भूलना नहीं।।

हर्ष श्रीवास्तव
5 ए

माँ

माँ से अच्छा, माँ से प्यारा
कौन यहाँ संसार में
पल भर कमी नहीं होती है
माँ के अप्रितम प्यार में।
सरस हुआ यह जग सारा
माँ के नयनों की किरणों से
ही इस जग में उजियारा
तेरे गुण माँ मैं क्या गाऊँ
तेरी वाणी मेरा मन।
तुझसे ही उपजा जग सारा,
तेरा ही तन–धन जीवन।
जीवन की गति माँ तुझसे ही
तुझसे ही सब नियम विधान,
तेरे बिना कौन बतलाता
कौन पिता है दया–निधान

स्मृद्धी श्रीवास्तव
5 ब

MY LOVELY SCHOOL

I go to a lovely school
Where they teach me not to be a fool
The teacher gives me lots of knowledge
Which will help me in college
I come here to learn
Which will help me in college
I come here to learn
Which in future will help me.
Thy make me so very fit
In sure I will be a super kid.

Ravi Shankar
V^th B

कहानी

आज हमारा देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसा परिवर्तन जो हमें ही नहीं हमारी सम्पूर्ण प्राचीन संस्कृति और सभ्यता को ही निगल रहा है। भारतीय संस्कृति हजारों वर्षों से हमारे बीच विद्यमान है, ये हमारे रोम–रोम में रच बस गई हैं।

भारत पर कई विदेशी जातियों के आक्रमण हुए, परन्तु वे भी हमारी संस्कृति में अपनी विशिष्टताओं के साथ समाहित हो गये।

अनेकता में एकता, वसुधैव कुटुम्बकम्, कश्मीर से कन्याकुमारी तक आदि–आदि हमारी संस्कृति के पूरक तत्व रहे हैं।

आयुष चौरसिया
6 बी

दो फायदे

बीड़ी और सिगरेट पीने के दो फायदे है। बीड़ी पीने में कोई फायदा नहीं सिगरेट पीने से दो फायदे है, दमा होगा या जान जायेगी। दमा होने से क्या फायदा जान जाने से दो फायदे है दफनाया जायेगा या जलाया जायेगा, दफनाने से कोई फायदा नही जलाने से दो फायदे है पीपरमेण्ट बनेगा या सेण्ट बनेगा। पीपरमेण्ट बनने से कोई फायदा नहीं सेण्ट बनने से दो फायदे है लड़का लगायेगा या लड़की लगायेगी। लड़के के लगाने से कोई फायदा नही लड़की के लगाने से दो फायदे है जान मारेगी या आँख मारेगी, जान मारने से कोई फायदा नही आँख मारने के दो फायदे है शादी होगी या बरबादी होगी बरबादी होने से कोई फायदा नही शादी होने के दो फायदे है लड़की होगी या लड़का होगा, लड़की होने से कोई फायदा नही लड़का होने से दो फायदा है बीड़ी पियेगा या सिगरेट पियेगा।

दिव्यांश सिंह
6 बी

26th January

26 Jan. 1530	Birth of Babar
26 Jan. 1539	Birth of Jahangir
26 Jan. 1584	Birth of Shah Jahan
26 Jan. 1600	Establishment of East India Company
26 Jan. 1720	Attact of Nadir Shah on India
26 Jan. 1762	Tipu Sultan streted fight against British
26 Jan. 1869	Establishment of Mumbai High Court
26 Jan. 1885	Estabilishment of Congress Party
26 Jan. 1894	Beginning of Train Service between Bombay and Calcutta
26 Jan. 1929	Jawahar Lal Nehru took oath of freedom at the Bank of Ravi River
26 Jan. 1950	Enforcement of New Constitution of free India

Tomorrow is Today

Don't worry about tomorrow. Concentrate today for your tomorrow. How you think and act. Your today act will determine your furture. You can control your life. Your change by now you perceive them. So plan and pray your today towards tomorrow.

Today is newday!
The sun is shining, the sky is blue! There's a new day dawning for me and you.
With every dawning of the sun. Newpossibilities have just begun.
With every breaking of the morn.
Fresh opportunities are newly born.
Do you know that what will happen tomorrow Guess!
Curves will be found.
New inventions will be created.
Miracle drugs will come on the market oppressive laws will be repelled.
New Carrers will be launched.
Get ready for tomorrow because you will have a part to play in it.

Ashish Verma
VI-B

परीक्षा में फेल होने की वजह

लोग कहते है कि फेल क्यों हुए?

साल में 365 दिन रोज स्वास्थ्य के लिए 8 घंटे सोना पड़ता है तो 365–120 = 245 बचे। 245 रोजाना 1 घंटे खाना तो 245–15 = 230। मनोरंजन के लिए 2 घंटा खेलकूद तो 230–30 = 200। 60 दिन गर्मी की छुट्टी डी.एम. का आर्डर से ठंडी की 20 दिन छुट्टी तो 200–80 = 120। स्कूल के बच्चे 10 दिन तो बीमार होना ही है मतलब 120–10 = 110 दिन। डेली साफ–सफाई में 1 घंटे मतलब 110–15 = 95 बचे। 95 दिन में 52 रविवार 95–52 = 43। भारत त्योहारों का देश है 30 छुट्टियाँ तो 43–30 = 13 कक्षा में 12 विषय होते है तो 12 दिन परीक्षा बचा 2 दिन तो है P.T.M. का दिन आप ही सोचिए रिजल्ट क्या होगा।

अंकुश प्रताप सिंह
6 बी

डॉक्टर और रोगी के मध्य संवाद

रोगी : डॉक्टर साहब, नमस्कार

डाक्टर : आइए जैन साहब! आज कैसे दर्शन दिए?

रोगी : आज सवेरे से दो तीन बार वमन कर चुका हूँ। पेट में भी कुछ गड़बड़ है।

डाक्टर : रात क्या खाया था?

रोगी : कल रात मित्र के यहाँ पार्टी थी।

डॉक्टर : पार्टी में जरूरत से ज़्यादा खा गए। अच्छा लेटिए।

रोगी : (लेटते हुए) डॉक्टर साहब! कहीं विषाक्त भोजन का केस तो नहीं हो गया।

डॉक्टर : (रोगी का निरीक्षण करके) हाँ, लगता तो यही। घबराइए नहीं। दवा लिख देता हूँ। गोली लेते ही वमन रुक जाएगी। दोपहर को मूँग की दाल की पतली खिचड़ी लीजिएगा। फिर तीन–तीन घंटे बाद दवा लेते रहिए। ईश्वर ने चाहा तो कल तक आप स्वस्थ हो जाएंगे।

रोगी (दवा का पर्चा लेते हुए) आप की क्या सेवा करूँ?

डाक्टर : डेढ़ सौ रुपये दे दीजिए।

रोगी : यह लीजिए, डॉक्टर साहब

डॉक्टर : (डेढ सौ रुपये लेकर) जैन साहब! आजकल पार्टियों के भोजन से अक्सर ऐसा होता है। भविष्य में ध्यान रखिए।

रोगी : धन्यवाद!

सौम्या तिवारी

Life is a gift

Life is an opportunity, benefit from it.
Life is beauty, admire it,
Life is bliss, taste it,
Life is a dream, realize it,
Life is a challenge, meet it,
Life is a duty, complete it,
Life is a game, play it
Life is promice fulfill it
Life is sorrow, overcome it,
Life is song, sing it,
Life is struggle, accept it,
Life is adventure.....dare it,
Life is luck, make it,
Life is to precious, do not destory it.
Life is a fight win it.

Karatikay Tiwari
VI-B

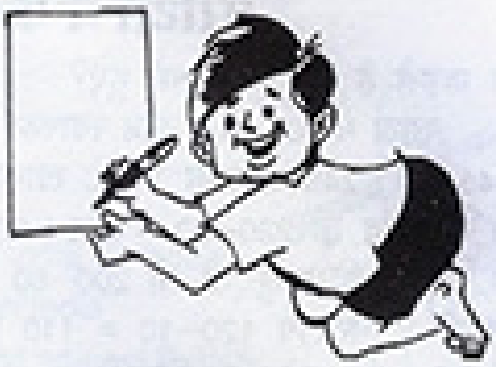

उलझन

पापा कहते बनो डॉक्टर
माँ कहती इंजीनियर
भैया कहते इससे अच्छा
सीखो तुम कम्प्यूटर
चाचा कहते बनो प्रोफेसर
चाची कहती अफ़सर
दीदी कहती आगे चलकर
बनना है तुम्हें कलेक्टर
बाबा कहते फ़ौज में जाकर
जग में नाम कमाओ।
दीदी कहती घर में रहकर
ही उद्योग लगाओ।
सबकी अलग-अलग अभिलाषा
सबका अपना नाता
लेकिन मेरे मन की उलझन
कोई समझ न पाता!

अमन देव त्रिपाठी
6 ब

आफत

बन्दर टी०वी० लेकर आया,
सबसे पहले गीत लगाया,
उछल–कूद जो देखी उसमें,
उसका माथा भी चकराया।
इसी समय एक शेर दहाड़ा,
बड़ा पेड़ पर वह घबराया।
हाथी ने चिंघाड़ के बोला,
"यह क्या आफत तू ले आया?"

कोमल
7 व

A GOOD STUDENT

A = Always liked by teachers
G = Greats everyone with smiles.
O = Obedient to Teachers & Parents
O = On time to School
D = Dresses neat and clean
S = Studies with interests
T = Treats everyone with respect
U = Understand everything taught.
D = Does daily homework.
E = Eager to know new things.
N = Never misbehaves.
T = Talkless in class.

Shubhra Dutta
7th B

PURPOSE OF COMING TO SCHOOL

Some come to School, only for walk
Some come to School, only for talk
Some come to School, for teacher's test
Some come to School, only for rest
Some come to School, for disturbance
Some come to School, only for attendance
Some come to School, for praise and fame
Some come to School, only for Sharing the game
Some come to School, to build character
Some come to School, to tease youngsters
Some come to School, to eat
Some come to School, to cheat
Some come to School, to go to cinema
Some come to School, for mere to king
But a good Student comes to School or College to be a man of his knowledge.

Divyanjali Pandey
VIIth B

DID YOU KNOW

1. The name 'piranha' comes from the Portuguese words for fish and tooth.
2. The name 'tomato' comes from tomatl, a word in the language of the Aztec people of Mexico.
3. The French term for 'potato' is pomme de terre, which means 'apple of the earth'.
4. One hectare of grapes produces almost 40,000 glasses of wine.
5. Strawberries are rich in vitamin C, iron, and other minerals.
6. Mangoes are a rich source of vitamins A, C, and D.

Tanya Dogra
VII B

Best ....Best....Best

Best Teacher	-	Experience
Best Student	-	Attempt
Best Book	-	Life
Best Person	-	Patience
Best Friend	-	Praise
Best Sports	-	Duty
Best Food	-	Thought
Best Dress	-	Smile
Best Hobby	-	Service
Best Relation	-	Love

Sonam Maurya
7th-B

DO YOU KNOW?

- The world's largest flower is Rafflesia
- The brain is working even. When we are sleeping.
- We have 20 teeth as children which fall out and are replaced by 32 teeth.
- The hairs in the nose prevent dust from entering into our nose.
- Water is colourless but the sky and sea look blue.
- Subhash Chandra Bose gave us the slogan Jai Hind.
- A parrot can speak like a human being.
- Diwali is called the Festival of Lights.
- Sachin Tendulkar is known as Master blaster.
- The world largest Snake is Anaconda.

Archana Jha
VII B

SCHOOL

School is for study,
Friends are for fun,
Teacher always teach,
Students always learn,
The subjects are tough,
They cause me to cough.
Maths eat away me head,
Chemistry make my face red.
Physics leads me to bed,
History make me dream,
Hindi is easy, it seems,
Whatever it is, I love my school,
Without it, I would have been a fool.

Shuani Pandey
VII B

हँसो-हँसाओ

आलोक– अखिल से यार, मेरी एक समस्या है।

अखिल– वो क्या?

आलोक– मुझे कभी–कभी बात करते वक्त आदमी नहीं दिखाई देता है।

अखिल – ऐसा कब होता है।

आलोक– जब मैं फोन पर बात करता हूँ तब।

उज्ज्वल देव त्रिपाठी
7 अ

Power of a Word

A careless Word may kindle strife.
A cruel word may wreck a life.
A little word may not in still.
A brutal word may smite and kill.
A gracious word may smooth the way.
A joyous word may light the day.
A timely word may lessen stress.

Jyoti Tripathi
7-B

बुराई

बुराई देती है बुराई को जन्म,
एक बुराई जीतो तो दूसरी खतम,
विद्या जैसी है बुराई,
जितना बांटो उतनी बुद्धि आई।
विद्या को जितना बाँटोगे,
बुराई उतनी ही घटा दोगे।
अगर विद्या को नहीं देते मान,
बुराई बनाएगी निवास स्थान।

शिवानी पाण्डे
7 बी

FACTS ABOUT ANIMALS

- The largest lizard is the Komodo dragon of Indonesia.
- The South American Anaconda is the largest snake,
- Giraffe has no voice. It is also the only animal that cannot swim.
- A Blue Whale eats about 3 tonnes very day. It can live without food for 6 months.
- A Sea Horse can focus its eyes in two different directions at the same time,
- The lion has the smallest heart of all breasts of prey,.
- A birds may use its call to give an alarm.
- The elephant trunk has no bones, but has about 40,000 muscles.
- The giraffe has same bones in neck as we have.
- The vultures do not fly, but if required can glide up to 130 kilometres per hour.
- The skunk is a black and whit north American animal. If seeing the danger, it drives its enemy away.
- The Giant panda lives in western china and it is endangered Animals.

Garima Yadav
VIIth –B

सफलता क्या है?

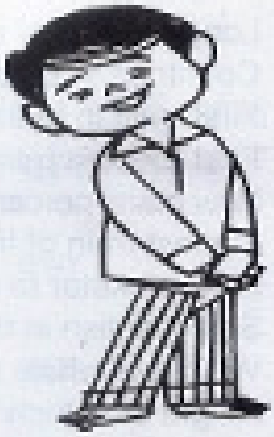

सदा मुस्कराना और सबको प्यार करना
गुणी जनों का सम्मान पाना
बच्चों के दिल में रहना
सच्चे आलोचकों से स्वीकृति पाना
झूठे दोस्तों की दगाबाजी को सहना
खूबसूरती को सराहना
दूसरों में खूबियाँ तलाशना
किसी उम्मीद के बिना
दूसरों के लिए खुद को अर्पित करना
उत्साह के साथ हँसना और खेलना,
मस्ती भरे तराने गाना
इस बात का अहसास कि
आपकी जिन्दगी ने किसी एक व्यक्ति का जीवन आसान बनाया
यही सच्ची सफलता है।

अम्बिका यादव
8 व

SUBJECTIVEWISE MORALS

Mathematics :

Add your friends
Subtract your enemies
Multiply your joys
Divide your sorrows

Chemistry :

Take the salt of brotherly love,
Add concentrated godly love to it.
Eliminate Jealosy, cool it under prayer
You shall then get the precipitate of true happiness.

Physics

Be dynamic in thought
Be static in Mind Be electric in character
Then you will be a magnetic personality.

Shashank Tripathi
8th A

G.K. Questions

Longest river of Europe	: Volga;
Countries in Europe	: 43
First train in India	: Mumbai to Thane
First Electric train run in which year	: February, 1925
How many percent of rain routes are in India	: 29%
Fastest train of India	: Statabdi Express Train
First cricketer to make 10,000 runs	: Sunil Gawasker
Smallest fish in the world	: Paedocypris progenetica
Weight of whale shark	: 21,000 Kg.
Height of ostrich	: 2.74m
Biggest frog in the world	: Goliath
Largest producer of black pepper in the India	: Kerala
Smallest car in the world	: Ligier Be Up
Oldest Magazine in India	: Calcutta Review
Most developed country of the world	: Norway

Anubhav Verma
VIII B

ये दुनिया अगर.....

ये महलों ये तख्तों ये ताजों की दुनिया
ये घुनकर के आए नवाबों की दुनिया
ये दुनिया अगर मिल न पाए तो क्या है?

ये बस्ती है जन सेवकों की गिरस्ती
यहाँ रस्क करती सियासत की मस्ती
ये मस्ती अगर मिल न पाए तो क्या है?

ये चालों, कुचालों, सवालों की दुनिया
ये है लोकपालों, बवालों की दुनिया
ये दुनिया अगर छिन भी जाए तो क्या है?

श्रद्धा त्रिपाठी
8 बी

पहेलियाँ बूझो तो जानें?

1. पढ़ने में लिखने में, दोनों में ही मैं आता हूँ काम। पेन नहीं हूँ, कागज नहीं हूँ, सोचो फिर क्या है मेरा नाम? चश्मा
2. चाँद सा मुखड़ा चाँदी सा तन, बिन पैरों वह चलता है।
   राज दुलारा सबका प्यारा, मेहनत से वह मिलता है। पैसा
3. खड़ा द्वार पर ऐसा घोड़ा, जिसने चाहे पैर मरोड़ा कान। ताला
4. लाल गाय जो लकड़ी खाये, पानी पीते ही मर जाये। आग
5. गोल गोल है आग का गोला, कहलाता है जो तारा,
   उसके दिखने से होता है, घर–घर में उजियारा। सूरज
6. एक नार में देखी भारी बच्चा जने हर दिन वह नारी, बच्चा होते माँ को खाये, बच्चा मरे तो माँ जी जाये। रात–दिन

शिवम श्रीवास्तव
8 अ

कविता

धरती कहती रो–रो कर
जल रही हूँ मैं हर पल
ये धुआँ और ये गैसे
मैं इससे बचूँ तो कैसे

पेड़ों की संख्या घटी
आबादी हर पल बढ़ती
धरती कबूलती मुझे बचाओ
पेड़ उगाओ पेड़ उगाओ।

"यात्रा चाहे 1000 मीलों की हो उसकी शुरूआत हमेशा एक कदम से होती है।"

अमन कुमार तिवारी
8 ए

LIFE AFTER DEATH

Eye	31 minutes
Heart	10 minutes
Brain	10 minutes
Legs	4 hrs.
Shoulder	4 hrs.
Ear	60 minutes
Skin	5 days
Bones	30 days

Rahul Srivastava
8th A

THAT'S THE FACT

1. Your left lung is smaller than your right lung.
2. When giraffe's baby is born it falls from a height of 6 feet without being hurt.
3. No word in English language rhymes with month, orange, silver or purple.
4. The Australian $ 5, $ 10, $ 20, $ 50 and $100 notes are made up of plastic.
5. There are more than 10,000 varieties of tomatoes.
6. In every continent there is a city called Rome.
7. To make a kilo of honey, bees have to visit 4 million flowers, traveling distance equal to 4 times around the Earth.

Arushi Gupta
8th- B

अनोखा पत्र

लो रस नींबू एक गिलास
और रखो एक कागज पास
इससे बनाओ एक दवात
कलम को पकड़े दायें हाथ
इसमें कलम डुबो कर लिखो
जादू एक विज्ञान का सीखो
राम रहीम दिनेश रमेश
या तुम लिखो कोई संदेश
इसको कोई पढ़ न पाए
आँखों से ये नजर न आए
झट से कर दो एक उपाय
लैंप से गर्मी दो लगाये
ध्यान रहे न कागज जल जाए
अक्षर काजल सा बन जाए
मित्र को अद्भुत खेल दिखाओ
तुम भी जादूगर बन जाओ

ऋषभ रवि
8 ए

IT HAS.....

English	is composition
Maths	is calculation
Biology	is classification
Geography	is population
History	is civilization
Art	is imagination

Shiv Rishi
VIII A

बचपन

बचपन का जमाना होता था,
खुशियों का खजाना होता था।
चाहत चाँद को पाने की,
दिल तितलियों का दीवाना होता था।
खबर न थी कुछ सुबह की,
न शाम का ठिकाना होता था।
थके–हारे हम स्कूल से आते,
पर खेलने भी जाना होता था।
दादी की कहानी होती थी,
परियों का फसाना होता था।
बारिश में कागज की कश्ती थी,
हर मौसम सुहाना होता था।
हर खेल में साथी होते थे,
हर रिश्ता निभाना होता था।
गम की जुबान न होती है
जिंदगी की राहे मे कौन किसका होता है।
परछाइयाँ भी साथ छोड़ देती है,
जब अँधेरा होता है।

शुभम गौतम
8 ए

भ्रष्टाचार

अराजकता का मचा है शोर
त्रस्त है जीवन चारों ओर,
भ्रष्ट ही मचा रहे शोर
जाने कब आएगी ईमानदारी की भोर
दुराचारी है निहाल,
न लज्जा है न मलाल,
बजा रहे वो अपना गाल
चार दिन की चांदनी है,
दूर नहीं अंधेरी रात,
देखे चुपचाप उसकी राह
वो सुबह कभी तो आएगी
खुशियाँ भी संग लाएगी
जुल्मों सितम का होगा अंत,
हरियाली छा जाएगी,
जगना है, जगाना है,
बच्चे, बूढ़े, युवा सभी को
भ्रष्टाचार मिटाना हैं।

प्रतीक
8

सच्चा साथी

जो तुम्हारे लिए सच्चा हो,
जो तुम्हारे लिए अच्छा हो।

जो हर जगह में साथ रहे
जो हमेशा तुम्हारा हाथ थामे।

जो प्यार की खुशबू में तुम्हें पंख लगाए,
जो कटीले रास्तो में तुम्हारी मशाल बने।

जो प्यार भी दे और दुःख में साथ रहे,
जो तुम्हारे गुण को उभारे और कमिया बताएँ

जो सच्चा इन्सान हो और तुम्हे भी बनाए
जिसका मन साफ हो और तुम्हे दिल से चाहे,

यही तुम्हारा सच्चा दोस्त है।
यही तुम्हारा सच्चा साथी है।

अबीउल्लाह खान
8 ए

कविता

कुछ भी बन, बस कायर मत बन।
ठोकर मार, पटक मत माथा,
तेरी राह रोकते पाहन।
कुछ भी बन, बस कायर मत बन।

लेदेकर जीना, क्या जीना?
कब तक गम में आँसू पीना?
मानवता ने सींचा तुझको
बहा युगों तक खून-पसीना!
कुछ न करेगा? किया करेगा
रे मनुष्य बस कातर क्रंदन?
कुछ भी बन बस कायर मत बन!

युद्ध देही कहे जब पामर,
दे न दुहाई पीठ फेर कर!
या तो जीत प्रीति के बल पर,
या तेरा पथ चूमे तस्कर।

सर्वेश राय
8 ए

कर्फ्यू

चौराहे पर शान्ति है।
गलियों में शान्ति है।
गाँवों में शान्ति है।
शहरों में शान्ति है।
क्योंकि दिलों में अशान्ति है।

आग का बाजार गर्म है
घरों में आग, बस्ती में आग, मन्दिर में आग
नजर उठाओं जिधर देखो आग ही आग
आग का खाना है, आग का पानी है।
आग ही बुढ़ापा है, आग ही जवानी है।

शासन भी सक्रिय है।
प्रशासन भी सक्रिय है।
नेता भी सक्रिय है।
अभिनेता भी सक्रिय है।
क्योंकि दिलों में अशान्ति है।

कात्यायनी तिवारी
8 बी

गुलाब

हजारों पेड़ों के बीच जब एक गुलाब खिलता है,
तो वो अकेला और खूबसूरत हसीन दिखता है।
सर्दियों के दिनों जब उसकी पत्तियों
पर बूँद पड़ती है तो लगता है,
जैसे आसमान पर तारे झूमते है।
हवाओं के झोंके से गुलाब जब झूम जाता है।
वो जैसे सावन के महीने में मोर नाच जाता है।
पत्तों की सरसराहट, गूजँती हुई
उन पत्तियों।
की आवाज जैसे मधेयल गीत
सुना जाती है।
तोड़े न उन फूलों को कोई जो अकेले खिलकर।
पौधों के बीच भौरों को पास बुलाता है।
गुलाबी रंग का तो गुलाब,
बाग बगीचों में अकेले गुमगुम सा रहता है।
हजारों पेड़ों के बीच जब एक गुलाब खिलता है।
तो वो अकेला और खूबसूरत हसीन दिखता है।

आयुष तिवारी
9 ए

इतने राम कहाँ से लाऊँ

किसकी – किसकी बाहें काटूँ
किसके – किसके शीश झुकाऊँ
धरती से रावण मिट जाएँ
इतने राम कहाँ से लाऊँ।

इक दसशीश मिटाया जाता
दस – दसशीश जन्म लेते हैं
कोटि– कोटि रावण धरती पर
बार–बार पैदा होते हैं
हर रावण के भेद खुल सके
मैं इतने बन्धु कहाँ से लाऊँ।

सोने की लंका बन जाए
हर रावण की चाह यही है
राज सुख समृद्धि मिल जाए
सबकी अपनी राह यही है
हर लंका में आग लगे
मैं इतने हनुमान कहाँ लाऊँ।

हो सुरा सुन्दरी पूज्य जहाँ
धरा–धाम सब सूखा है
हर सीता की लाज बच सके
इतने राम कहाँ से लाऊँ।

ऋषभ कुमार मोदनवाल
9 ए

अब के नेता खाते मेवा

अब के नेता खाते मेवा
तबके नेता करते देश सेवा।
तब के नेता गाँधीवादी
अब के नेता वाद–विवादी
तब के नेता काटे–जेल
अब के नेता चौथी फेल
तब के नेता के खस्ता–हाल
अबके नेता है माला–माल
तब के नेता झेले गोली
अब के नेता मारे गोली
तब के नेता मेल मिलारो
अबके नेता आग–लगाते।

निशी यादव
9 अ

महान परिवार

धैर्य जिसका पिता
क्षमा जिसकी माता
शान्ति जिसकी पत्नी
सत्य जिसका पुत्र
दया जिसकी बहन
संयम जिसका भाई
पृथ्वी जिसकी सेज
दिशाएँ जिसका अम्बर
ज्ञान जिसका भोजन
प्रसन्नता जिसकी खुशी
ऐसे दस लक्षणों वाले महान परिवार को
किसी का भय नहीं हो सकता।

प्रीति
9 अ

भूल

जो कभी भूल ही न करे
उसे भगवान कहते हैं।
जो भूल से बचता रहे
उसे इन्सान कहते हैं।
जो भूल कर मुस्कुराये
उसे शैतान कहते हैं।
जो भूलकर भूल जाये
उसे नादान कहते हैं।
जो भूल कर भूल से सीखें
उसे बुद्धिमान कहते हैं।

रिचा शर्मा
9 अ

पढ़ाई कब की जाती है

पढ़ाई कब की जाती है।
जनवरी जान से प्यारी है।
फरवरी फरियाद लाती है।
मार्च में मौत आती है,
जब परीक्षाफल की बात आती है।
अप्रैल में होता है एडमीशन,
मई से लू भी चल जाती है।
जून तो छुट्टियों में बीता,
जुलाई नए, जनों से मिलाती है।
अगस्त है नमी का महीना,
सितम्बर में मच्छरों की बारात आती है।
अक्टूबर तो दशहरे ने ले ली,
नवम्बर यूँ ही बीत जाता है।
दिसम्बर में तो सर्दी का राज है
सारे महीने तो यूँ ही चले गये,
मैडम जी बताइए पढ़ाई कब की जाती है।

निकिता यादव
9 ए

प्यार का ईमान

प्यार ही है धर्म साथ, प्यार ही ईमान।
प्यार की केवल यहाँ पर है रतन–धन–खान।

प्यार वह मंदिर कि जिसमें देवता का वास,
प्यार से शैतान को वश में करे इंसान।

प्यार के दो शब्द मानव को बना दे संत,
ढाई आखर प्रेम का, जिसमें समूचा ज्ञान।

प्यार ही सच्ची विनय है, प्यार ही आराध्य,
प्यार ने पाषाण को भी कर दिया भगवान।

कृष्ण बनकर प्यार ने बाँटा सभी को स्नेह,
कर्ण बनकर प्यार ने जीवन दिया है दान।

है नहीं यदि प्यार जग में, तो नहीं कुछ और,
है अगर दिल में, सहे जो प्यार का वरदान।

स्वातिका राज भाटिया
9 ए

संकल्प शक्ति

शिष्य ने पूछा – भगवान।
पत्थर पर किसका शासन है!
लोहे का।
लोहे पर किसका शासन है।
अग्नि का।
अग्नि पर किसका शासन है।
जल का।
जल पर किसका शासन है।
वायु का।
वायु पर किसका शासन है।
संकल्प शक्ति का।

दुर्गेश कुमार गुप्ता
9 सी

कहानी : बुरी संगत से बचो

एक बार सागर तट पर गरूड़ भगवान के आने की सूचना मिलते ही सभी पंक्षी सागर तट पर इकट्ठा होने लगे। इसी भीड़ में दो मित्र कौआ और बटेर भी थे। जिस मार्ग से वे आ रहे थे उसी रास्ते पर जाता हुआ एक ग्वाला मिला जो सिर पर दही का मटका रखे हुए था। तत्काल कौआ मटके पर बैठकर दही खाने लगा। वह थोड़ा सा दही अपनी चोंच से भर लेता और बढ़ जाता। ऐसा उसने अनेक बार किया। वे चोर बटेर ने उसे ऐसा करने से रोका। मगर कौए ने अपने खाने का क्रय जारी रखा। ग्वाला भी जान गया था कि उसकी दही कम हो रहा है। अतः उसने मटका नीचे उतारा और ऊपर देखकर क्रोध से भरे ग्वाले ने एक बड़ा सा पत्थर उठाकर उन्हें दे मारा। कौआ तो चोर था ही इसलिए उसे पता थाकि ग्वाला अवश्य ही चोर को मारेगा। वह पथरी के पहुंचने के पहले ही उड़ गया। ग्वाले का पत्थर निर्दोष बटेर को जा लगा और उसने वही पर दम तोड़ दिया।

शिक्षा :– बुरी संगति से हमेशा बचना चाहिए। बुरे आदमियों के साथ रहैकर कोई अच्छा नहीं बन सकता।

अमर कांत शुक्ला
9 वर्ग 'सी'

IN THE 19TH CENTURY

1800 World population crosses one billion for the first time.
1838 The Morse code is introduced by Samuel Morse
1848 The California Gold Rush begins.
1853 The first jeans is made by Levi Strauss for the California gold miners
1879 Thomas Edison invents the Incandescent lamp.

Shivendra Rathore
IXth C

बाल अधिकार

बच्चों को अधिकार चाहिए
स्नेह चाहिए
इनके भोले मन तन पर
बस्ते का हल्का भार चाहिए।
बच्चों को अधिकार चाहिए।
भारत के ये नौनिहाल हैं
निर्मल मन है, बेमिसाल है।
नवल चमक के सुमन यही है
इन्हें सरल व्यवहार चाहिए
बच्चों को अधिकार चाहिए।
इन्हें न श्रम का बन्धन देना,
इन्हें न पीड़ा क्रंदन देना।
शिक्षा के घर राजमहल का,
इन्हें खुला दरबार चाहिए
बच्चों को अधिकार चाहिए।

विष्णु सेन
9 'सी'

नेता का पहाड़ा

नेता एक्कम नेता
नेता दुनी दगाबाज
नेता तीया तिगड़मबाज
नेता चौके चार सौ बीस
नेता पंजे मचक दलाल
नेता छक्के छलियाबाज
नेता सत्ते सत्ताधारी
नेता अट्ठे अड़गाबाज
नेता नया नमक हलाल
नेता दहा में सत्यानाश

शिवेन्द्र राठौर
9 'सी'

गीत

इस नदी की धार में
ठंडी हवा आती तो है।
नाव जरजर ही सही
लहरों से टकराती तो है।
एक चिंगारी कहीं से
ढूढ लाओ दोस्तो।
इस दिये में तेल से,
भीगी हुई बाती तो हैं।
एक खण्डहर के हृदय सी,
एक जंगली फूल सी।
आदमी की पीर गूगी ही सही
पर गाती तो।
एक अंधेरे लौंझ ने,
सारे नगर पर डालदी।
यह अंधेरे की सड़क
उस भोर तक जाती तो हैं।

करन
9 डी

कविता

दीदी की राखी नहीं मिली

हाय दीदी ! तुमने भी आज दिया मुझे नकार।
औरों की भांति ही समझकर, मूर्ख निपट गवाँर।।
बंधन तो हृदय का बंधन है, ना समझे ऊँच और नीच।
तोड़कर आ जाए सब बांध, है यह ऐसी चीज।।
फिर क्यों नहीं किया याद, इस नाचीज़ भाई को।
कौन है जो न समझे, इस कड़वी सच्चाई को।।
कि कलाई रही आज, दिनभर सूनी बिन राखी।
तुमसे कितना प्यार है, इसके लिए क्या दूँ मैं साखी।
काँप उठता है दिल, जब देखता हूँ बिहँसते भाई बहनों को।
याद दृश्य आते हैं, जब बाँधती थी राखी तुम परायों को अपनों को।।
किंतु हत् भाग्य हमारा! न याद आया सहोदर भाई।
दिन भर रोता रहा मन, सहस्रधारा भी नहीं रुक सकी रुलाई।।
साल भर न लो सुध, मुझे समझो भले बेरोजगार।
लेकिन एक दिन सावन में, कर लो भाई से प्यार।।
नहीं है कुछ देने को, पर दिल में भरा है प्रेम बेशुमार।
दीदी तुम्हारे लिए सब खोल दूँ मैं कुबेर का भी भंडार।।
परिस्थितियों का मारा मैं बहुत झेल चुका हूँ कष्ट।
पर दीदी मुझसे तुम, हो नहीं कभी भी रुष्ट।।
नहीं ऐहसास किया सहोदर मेरी धन्या है कौन ऐसी भूल।
उमेठ देती कान मेरा पर, यों ना भूलों अपना उसूल।।
यही तो राखी का बंधन है, बनाए है संबंधों में जीवंतता।
इसके सामने फीकी है। सब संबंधों की पवित्रता।।

अर्पित कुमार
8 सी

बारिश का हर्ष

बरसो कर ले मनमानी,
झमाझम बरसा पानी
रिमझिमिया रातो में
आना कानी के क्रंदनों को,
खोल मुलाकातों में
तृषा कह रही छू कर मुझ को,
कर दे पानी पानी.....
नदिया को इठलाता लख,
सागर भी बौराए,
नौकों ने चूमे कलियों के,
अंग अंग गहराए.....
लहरलहर कर दिया तुझेप
अब तू काहे निसानी.....
बौराई, उफनाई, उछल के,
पुल पर चढ़ गई नदिया
नदी सेतु का मिलन देख के,
कसमसाए अब रतिया
हो गई पानी पानी,
तनबदन बहक रहा जल
रहा मन तरंग
बरसती बारिश में
हमें अंग से अंग लगाकर
कली में फूल बनाकर चले जाओ
भौरों सा पी कर इस चले जाओ
आओ सीने से लग जाओ,
तनबदन बहक रहा जल रहा मन तरंग
बरसती बारिश में
संगम रमर सा तराना है
मनभावन रूप ऐसा कि तनमन रहे न पावन
भागी जुल्फें
करती जब बारिश
पता ही नहीं चलता
क्या बसंत क्या सावन

नन्द कुमार
9 'बी'

माँ

पल में हँसती, पल में रोती
कुछ भी हो मेरे बाद ही सोती
आँसू है मेरी, मेरी धड़कन है।
इससे ऊपर कुछ नहीं जीवन मे
खुशियों का वह बहता सागर,
दुख का मेरे अंत वही पर
मेरी खुशियाँ सबसे ऊपर
उसके सुख जैसे नहीं कही पर।
आदर्श है वह मेरे जीवन की,
दिव्यता वही है मेरी मंजिलों की।
माँ नही वह मंदिर है मेरी,
उसके चरणों में स्वर्ग है मेरी।
नही पता, नही जानना मुझको,
कब वह छोड़ दे मुझको
माँ–माँ कह आँखे मेरी तब भर आएँगी
लाख बुलाने पर भी मेरे पास कभी नही फिर आएँगी

राहुल मिश्रा
9 सी

राष्ट्रगान का अर्थ

जन– भारत की जनशक्ति।
गण–गणराज्य भारत।
मन अधिनायक जय हे– नेतृत्व करने वाले राष्ट्र की जय हो।
भारत भाग्य विधाता– हमारे भाग्य का मार्गदर्शक हमारा संविधान।
पंजाब सिन्ध गुजरात– हमारे विकसित प्रदेश।
मराठा द्रविड़ उत्कल बंग– हमारे विकसित क्षेत्र।
विन्ध हिमाचल– हिमालय तथा विन्ध्याचल पर्वत।
यमुना गंगा– भारत की नदियाँ व जल शक्ति।
उच्छल जलधि तरंग– इसके तीन ओर समुद्र लहराता है।
तव शुभ नामे जागे– भारत का नाम शुभ है।
तव शुभ आशिष माँगे– हम तुम्हारा आशीर्वाद मांगते है।
गाहे तव जय गाथा– हम सब तुम्हारी जय गाथा गाते है।
जन गण मंगलदायक–हमारी मंगलकारी योजनाएँ सफल हों
जय हे
भारत भाग्य विधाता– हमारे भाग्य का पथ प्रदर्शक संविधान है।
जय हे– हमारी थल सेना की जय गाथा।
जय हे–हमारी वायु सेना की जय गाथा।
जय हे– हमारी जल सेना की जय गाथा।
जय जय जय हे– चारों दिशाओं में भारत की जय हो विजय हो।

विष्णु सेन
9 'सी'

DEFINITION OF A STUDENT

S - Stands for STUDY
T - Stands for TRUTH
U - Stands for UNITY
D - Stands for DISCIPLINE
E - Stands for EDUCATION
N - Stands for NATURE
T - Stands for THOUGHT

DEFINITION OF A TEACHER

T - Teaches us values
E - Encourages always
A - Allows to grow independently
C - Cares a lot
H - Has a lot of patience
E - Enriches our knowledge
R - Ready for any sacrifice

Neeraj Kumar
IX D

We The Indians

We, the Indians are the best
Among all the countries of east and west
Gaining success everywhere
Without taking rest
We, the Indians are the best.
In the economy of country.
We must invest from the region of trough.
We should go to crest
Now also every country wants as its guest
We, the Indians are the best
But, why should we lay our eggs in other's nest
We should serve our country
To produce results best
To level of Indians
No one can test
We, the Indians are the best.

Rohit Srivastava
9th B

MONEY IS A GOOD SERVANT BUT A BAD MASTER

Money is a useful instrument, but we must remember that it is an instrument to be used according to our will. We should always keep it under our control. If we allow it to get out of control, it may become our master and we may become its slaves. Money is a bad master, once it becomes our master it will lead us to the evil path. Those who became slaves of money are ready to commit and crime. This proverb has more or less the same meaning as another proverb. The love of money is the rest of all evil.

Shubham Shukla
IX D

बेटियाँ

बेटे हैं कुल के दीप तो बाती है बेटियाँ।
बनते है जिससे मोती वो स्वाती है बेटियाँ।
वो समाज राष्ट्र जिससे दीप्तिमान है
हर सृजन की राह बनती है बेटियाँ।। बेटे ।।
एक कुल के नाम को बेटा चढ़ाता है,
दो–दो कुलों की शान बढ़ाती है बेटियाँ।। बेटे।।
काँटों पर चली मगर कभी उफ नहीं किया,
दुख में खुशी के फूल खिलाती है बेटियाँ।
मेरे हृदय के चाँद का टुकड़ा हुआ अलग
बेटों से अधिक साथ निभाती है बेटियाँ।।

सिद्धार्थ राज
9 "डी"

ALIENS—FEAR—AND—CURIOSITY

Aliens this is that word 1 kulich raiser a fear ana a curiosity in our mind about there hidden ceramists of other planet. Everyone whats to open the secret of this care but no one knows that, does aliens really exist.

To open the secret of aliens first we should the search aliens because only they can tell who are they. According to STEPHENHAWKINS "Every star has a region called Goldi locks which have a favorable condition for life". And our earth and mars come in the region of goldi locks of the bun this is the region where our earth exist and a have life. It our Earth is having life, then it is not ponible that we are alone in the whole universe. The main need of life is Sun (star) and there are billions of stars in our Galaxy i.e. Milky way and there are millions and billions of Galaxies in the whole universe so it is wrong that we are alone in the whole universe and God has gifted life only to us.

Many people generally say that Aliens are not in existence because life needs aneutraoeatinaly and universal condition and life is a gift to Earth from God and we are the proof of that gift.

It was in 19th century when out the anstrenauts and phytosophers got shockers because of a signal manage which came to the Earth at that time from space. Yes, the manage had sent by the aliens which lived on the other Earth. But it all bouquet a bad news that the manage had come from very very far planet that signal was having speed of light then it came here after 176 years from one date of sending. And if we sent any manage at that time it take another 176 years and in there years they will forgot that they had sent any message to us.

Science had trailed us do a door which is between two planets. But it is quit impossible for us to meet with them because if light having speed of $3x10^5$ km/s reaches here in 176 years and it will take thousand for us to reach there with speed of (40-50000) Km/h. If we really want to meet with them then we have to go their with our family and during journey give birth to new generation and after many generations we kill reach their.

But it is not necessary that aliens will be a friend of us and accept us on their planet. We will face a big problem and danger if they also know that

$E = MC^2$

As Albert Einstein said – "In future if we will meet aliens I with that they become a friend of us but if they become our enemy then, that inter planet was will end with the end of life in both planets. Perhaps, god had gifted life to only two planets."

Arpit Kumar
IX C

MY FAVOURITE SCIENTIST

Science is a search for knowledge regarding the nature of the universe scientist devote their whole life in searching for the answer as to how certain things happen. Scientist carry out experiments to test their theories and observation and then make conclusion which become law of science.

Different scientist have carried out observation and experiments and discovered different things for example Sir Issac Newton discovered the force of gravity the wright Brothers invented the aero plane and Thomas Alva Edison has a number of invention to his credit.

My favorite scientist is Edison (1847-1931). He was famous American inventor whose inventions have had a dramatic effect on modern life.

As a boy he sold Newspapers at railroad stations and learnt how to use the telegraph machine for sending messages. It was during these years as a telegraphic that he invented many electrical gadgets. People began to pay for his inventions and his fame spread. In 1876 he moved to Mento Park, New Jersey and the world came to know him as the "Wizard of Mento Park". A year later he invented the phonograph or record player.

In 1879 he invented one of the most useful things the electric light bulb. The ark light used in his time was costly and could not be used on a large scale. He thought of a filament which could produce light when charged with electricity. He tried various material but they were soon burnt out. He finally obtained a special type for the purpose. The lamp he how made burnt for several days and night. The invention was perfected and today there is light not only in the streets but in every house. Addison truly converted the darkness of night into light.

Another great contribution the Addison made to the world of science in his work on cinematography.

Edison has more than 1,100 invention to his credit and it is impossible to mention all of them. Edison is certainly a scientist to be revered, for his inventions have now not only become indispensable to mankind, but have served as a stepping stone for advanced research.

Pranshu Rai
IX D

GLOBAL WARMING

According to Einstein two things are unlimited first is universe & second is human's foolishness. And at this time humans had cross the limit of foolishness they are destroying Earth's atmosphere very fastly.

Whenever we fall ill & go to the doctor he records your body temperature & if our body temperature is higher than the normal then it will said to be fever. Similarly when our Earth's atmosphere's temperature raise then it is said to be Global Warming. Actually the main cause of global warming is green house gases like. CO_2, Methane, Ethane, etc. which are emitted by human works like burning of fossil fuels in factories, etc.

The effect of global warming, we can see on the Earth like many species of flora & fauna are extinct or at the edge of extinction such as the number of Royal Bengal tiger of India is decreasing very fastly. Due to global warming the Ozone layer is also effected. The region of Antarctica which is glacier region is melting very fastly & increasing the level of oceans due to raise in temperature of Earth.

If this condition is continued and we do not take any action against global warming then very soon our Earth would have humans only and ultimately it (Earth) ends with the death of human life on the earth.

Rohit Gupta
IX C

ALPHABETICAL ADVICE

A. Always speak the truth.
B. Be good to others.
C. Cleanliness is next to godliness.
D. Do your duty without expecting result.
E. Experience makes a man perfect.
F. First deserve then desire.
G. God help those who help themselves.
H. Honesty is the best policy.
I. Idle mind is the devil's workshop.
J. Jealousy the disease of mind
K. Knowledge is power.
L. Life is not a bed of roses.
M. Man is known by the company he keeps.
N. Necessity is the mother of inventions.
O. Obey your elders.
P. Prevention is better than cure.
Q. Quarrel not with your friends.
R. Rest only after you have completed your work.
S. Slow and steady wins the race.
T. Time and Tide wait for none.
U. Unity is strength.
V. Victory comes after hard work.
W. Work is worship.
X. X-mas day is a message of brotherhood and peace.
Y. Your hard work pays in your life.
Z. Zeal is the key to success.

Rishabh Shukla
IXth D

INDIA IS THE BEST

Kashmir is for beauty.
Delhi is for duty.
Bengal is for art and culture.
Punjab is for wealth.
Himachal is for health.
Assam is for oil.
Hariyana is for soil.
Mahrashtra is for mills.
Meghalaya is for hills.
Andhra Pradesh is for rice.
Goa is tourist's paradise.
Tamil Nadu is for idli.
Kerala is so green and lovely.
Bihar is for Coat.
U.P. is the country's Soul.
North, South, East, West.
India is the Best.

Vishal Tiwari
9th D

WHAT IS LIFE

Life is not victory but battle
Life is a gift accept it
Life is a challenge meet it.
Life is an adventure dare it.
Life is a sorrow overcome it.
Life is a tragedy face it.
Life is a duty perform it.
Life is a game play it.
Life is a song sing it.
Life is journey complete it.
Life is a promise fulfill it.
Life is love enjoy it.
Life is beauty praise it.
Life is a target hit it.
Life is a goal achieve it.
Life is a question solve it.

Shweta Srivastava
IX A

INDIA Vs PAKISTAN

The most crucial one was the toss.
Dhoni won it and become the boss.
India elected to bat.
Pakistanies come with their hats.
But it was a game of luck.
The world's best batsman was out on a luck.
The in form batsman were punished by the bowler.
As the pitch also became slower and slower.
But veeru became the star.
He played the match as if waging a war.
He scored boundaries in a fifty.
And completed his century very quickly.
India scored 258 runs.
But this total was not enough.
Pakistanies had come in a winning good.
They scored boundaries as if eating food.
In no time they completed their hundred.
But then Zaheer's spell become a wounded.
He took four wickets in a single over.
But the game was not yet over.
India won the match and all the hearts.
And over night they become our stars.

Shubham Sah
IX D

DISCIPLINE

Que. : Can you prove that discipline gives us 100% success?

Ans. : Yes I can

D = is the 4th letter of English alphabet.
I = is the 9th letter of English alphabet.
S = is the 19th letter of English alphabet.
C = is the 3rd letter of English alphabet.
I = is the 9th letter of English alphabet.
P = is the 16th letter of English alphabet.
L = is the 12th letter of English alphabet.
I = is the 9th letter of English alphabet.
N = is the 14th letter of English alphabet
E = is the 5th letter of English alphabet.
Total = 100
Hence Proved.

Shreya Pathak
IX A

POEM ON CRICKET

India is the best,
In one day, T-20 and Test.
When Dhoni hits a six,
Then Akhtar is in a fix,
When Kaif takes a catch,
Then India wins a match,
So India, is the best.
In one day, T-20 and Test.

Saurabh Mishra
IX D

REASON TO SMILE

Life is not as one expects
It's a ground total of all aspects
Happiness, anger, excitement and sadness
Sometimes one cannot confess
At times people around you
Make you full downtrodden and love
But they are your friend and not foes
Life's journey is full of ups and downs
Full of laughter, anxiety and frowns.
Have faith in yourself and show to the world
That, despite all difficulties, you overcome all hurdles
You have to mark milies and miles.
So start your voyage with a soothing smile.
Hope you see the best everything
While you start a fresh beginning
The path you've chosen is not so smooth
Your companion without reason may act rude.
But think of those smile moments you spent together
So open up the tangled knot of relationship rather
As the power to simplify things lies within you and only you.
So let those negative thoughts run away from you
Have an optimistic picture in your mind
Then a reason to smile you'll find !

Akash Chowdhary
IXth C

SOME AMAZING FACTS

- Snail can walk on blade without inpuring
- The Mosquito have eleven teeth.
- Inland Tiapan which has enough venom in one bite to kill more than 200,000 mice.
- Some species of warm can have upto ten hearts.
- Shark and rays are the only animals that don't get any form of cancer because they have no bones, only cartilage .
- On average women use 15000 words a day while men use 7,000.
- Cows can sleep standing up, but can only dream lying down.
- The world's longest human nose was 7-1/2 inches long.
- Baby robins at 14 feet of earth worms per day.
- Mary Stuart became the Queen of Scotland when she was six days old.
- Sea horse is only male animal who gives birth baby or young ones.
- France is only country where no mosquito is found.
- Monkey have two brain one for body control second to control its tail.

Satyansh Shukla & Rahul Raj
9th C

SIX MISTAKS OF HUMAN BEINGS

Mistake one : The delusion that personal gain is made by crushing others.

Mistake Two : The tendency to worry about things the at cannot b charged or corrected.

Mistake Three : Insisting that a thing is impossible because we cannot accomplish it.

Mistake Four : Refusing to set aside trivial preferences.

Mistake Five : Neglecting development and refinement of the mind, and do not acquiring the habit of reading and studying.

Mistake Six : Attempting to compel others to believe and live as you do so.

Ayush Tiwari
IXth B

"माँ"

जब छोटा था तब माँ की शय्या गीली करता था,
अब बड़ा हुआ तो माँ की आँखे गीली करता हूँ।
माँ पहले जब आँसू आते थे.....तब तुम याद आती थी,
आज तुम याद आती हो.....तो पलकों से आँसू छलकते हैं।
जिस बेटों के जन्म पर माँ–बाप हँसी खुशी से मिठाई बांटी,
वही बेटे जवान होकर आज माँ–बाप को बांटे।
लड़की घर छोड़े और लड़का मुँह मोड़े।
माँ बाप की करुणा आँखों में बिखरे हुए ख्वाबों की माला टूटे।
चार वर्ष का तेरा लाड़ला रखे प्रेम की आस,
साठ साल के तेरे माँ–बाप क्यों न रखे प्रेम की प्यास?
जिस मुन्ने को माँ–बाप ने बोलना सिखाए
वही मुन्ना बड़ा होकर माँ–बाप को चुप कराए।
पत्नी पसंद से मिल सकती है.....माँ पुण्य से ही मिलती है।
पसन्द से मिलने वाली के लिए, पुण्य से मिलने वाली को मत ठुकराना।
अपने पाँच बेटे जिसे लगे नहीं भारी.....
वह माँ की पाँच थालियों में क्यो अपने लिए ढूढ़े दाना।
माँ–बाप की आखों से आए आँसू गवाह है,
एक दिन तुझे भी यह सब सहना है।
घर की देवी को छोड़ मूर्ख.....
पत्थर पर चुनरी ओढ़ाने क्यों जाता है।
जीवन की संध्या में आज उसके साथ रह ले
जाते हुए सांस का तू आज आशीष ले ले.....
उसके अंधेरे पथ में सूरज बनकर रोशनी कर
चार दिन जीने की चाह उसमें निर्माण कर.....
तूने माँ का दूध पिया है.....
उसका फर्ज अदा कर.....
उसका फर्ज अदा कर.....

अंजली पाण्डेय
10 ए

Mother

Mother's love is strange
No one can decide its range
Because mother is
"Ocean of happiness,
Height of forgiveness"
Depth of Tenderness,
Treasure of faithfulness
Mine or your, mother is mother
Respect, she deserves
This is the truth of Universe

Abhishek Sahu
XC

INDIA IS SO GREAT

Punjab for fighting.
Bengal for writing.
Sikkim for duty.
Kashmir for beauty.
Rajasthan for history.
Maharashtra for victory .
Haryana for milk.
Karnataka for silk.
Kerala for brain.
U.P. for sugarcane.
Himachal for apples
Orissa for temple.
Each place each
State makes India so great

Apoorva Singh
9th A

परीक्षा! परीक्षा!!

यह जो परीक्षा है यह है घोर अत्याचार,
कोमल हृदय पर है वज्र का प्रहार।
पेपर को छूते ही चढ़ जाता बुखार,
मारे करंट जैसे बिजली का तार।
या फिर बलि का बकरा लो गर्दन उतार,
क्या काफी नहीं तीन घंटों की मार,
जो भी पढ़ के जाते है, वह पूछा नहीं जाता।
और जो भी लिखते है, उस पर नम्बर नहीं आता।
परीक्षा भवन के अधिकारी हैं आखें दिखाते।
उसने न किया होगा कभी बच्चों से प्यार,
जिसने भी किया होगा परीक्षा का आविष्कार।
अगर बना शिक्षा मंत्री तो करूंगा पहला काम,
परीक्षा का मिटा दूँगा जमाने से नाम।
करो इंतजार ! करो इंतजार !! करो इंतजार!!!

राजकुमार (10 "सी")

BAPTISM OF MONTHS

1. **January**
   Has been given a name after the Roman God, Janus
2. **February**
   Has been named after Februalia, signifying the sacrificial period of ancient times for atoning for sins.
3. **March**
   Has been given the name after the Roman God of war, Mars
4. **April**
   Is a derivation of the Latin word 'Aperire', which means 'to open', i.e. opening of buds.
5. **May**
   Is after the Roman Goddess of plants, Maia.
6. **June**
   Has been derived from the word 'Juvenis' which means youth in Latin.
7. **July**
   Has been given the name after Julius Caesar, the Roman king.
8. **August**
   Has been named after Roman emperor, Augustus.
9. **September**
   Is derived from the Latin word 'Septem' which means seven.
10. **October**
    Is a derivation from the Latin word 'Octo' which means Eight
11. **November**
    Is a derivation from the Latin word Novem which means Nine.
12. **December**
    Has been derived from the Latin word 'Decem' which means 'Ten'.

Ratnesh Kaithwas
Class X

ALWAYS REMEMBER

Its not a matter of being present with someone.
It's a matter of being present to someone,
There are many people, who know us,
But very few who understand us.
Understanding is more of the heart,
Than of mind. See what is bright,
Rather than what is dull,
Ignore the few weakness of others,
Count their many good qualities.
Don't be afraid of the enemies, who attack you,
Be afraid of the friends, who flatter you,
A little smile for someone who is unhappy,
May prove to be a messenger of cheer,
Little words to one who is low on courage,
Will often dispel the doubt and fear.

Anurag Dwivedi & Subodh Jaiswal
Xth C

SIX GOOD WARS

War against fear,
War against hate,
War against hunger,
War against disease,
War against ignorance,
War against war,

Nikhil Jaiswal
Xth C

FEELINGS

Always keep smiling like roses,
Which smiles whichever way it faces,
Enchanting the air around it with all its fragrance,
And when heart clinches from some one's absence,
Stand out apart and tell the world you can do.
With or without whether it comes to you.
And when alone in life you will realise.
That many things in the world come
In a particular size.
You may want it in one size, it may get it otherwise.
So never let life disappoint you,
And try to right it all through,
Until all your dreams and,
Ambitious are fulfilled.
And just watch the world how it is thrilled.

Amit Kumar Singh
Xth C

BOOKS

Books never cheat us,
Or hurt us,
They never fight against us.
Nor they try us deceive us.
They are our best friends.
With whom if we spend the day,
They fill us with knowledge
And preach only the best.
But release sadness from our hearts.
They develop our mind,
By giving us concentration
They given us entertainment
And fill us with merriment
So let us spend our time,
By reading and reading and reading

Pinky Prajapati
X A

नया आग़ाज

आज समय की माँग पर
आग़ाज़ नया इक होगा
निरंतर योग्यता के निर्णय से
परिणाम आकलन होगा।
परिवर्तन नियम जीवन का
नियम अब नया बनेगा
अब परिणामों के भय से
नहीं बालक कोई डरेगा
निरंतर योग्यता के निर्णय से
परिणाम आकलन होगा।
नई राह पर चलकर मंजिल को हमें पाना है
इस नए प्रयास को हमने सफल बनाया है
बेहतर शिक्षा से बदले देश, ऐसे इसे अपनाए
शिक्षक, शिक्षा और शिक्षित
बस आगे बढ़ते जाएँ
बस आगे बढ़ते जाएँ
बस आगे बढ़ते जाएँ.....

अश्वनी पटेल
10th 'C'

EXAMINATION

Oh! My dear examination,
I have made no preparation.
I am terribly afraid of you,
Kindly tell me what to do.
You are early, I am late,
I am daily counting dates.
Oh! Go away, go away soon,
You must let me learn first my lesson.
Go where you like, but leave my room,
Otherwise I will use my boom
You have disturbed my sound sleep,
You are sure to make my weep,
Oh! I shall not bother about you,
What if I get zeros just a few.

Anjali Pandey
9th A

जिन्दगी

जिन्दगी एक अटल सच्चाई है। यह प्रकृति द्वारा दिया गया अमूल्य उपहार है जिसे कही से भी खरीदा नहीं जा सकता। जिन्दगी एक संघर्ष पूर्ण मार्ग है या आसान मार्ग, यह तो कोई नहीं जानता या शायद सभी जानते हैं। जिन्दगी एक बार मिलती है परन्तु इसके साथ मृत्यु अवश्यभावी है। इस दुनिया में आने वाला हर व्यक्ति जन्म से लेकर मृत्यु तक काफी लम्बा सफर तय करता है। अंतर सिर्फ इतना है कि किसी का सफर काँटों से भरा होता है तो किसी का फूलों से भरा हैं।

जिन्दगी एक खूबसूरत उपवन है जहाँ कभी पतझड़ आती है तो कभी बहार। खुशी और गम जिन्दगी की दो परछाइयाँ है जो हमेशा हमारे साथ चलती है। फर्क सिर्फ इतना है कि कभी सुख का आँचल उड़ता है तो कभी दुख का।
जिन्दगी में दुख के बिना सुख नहीं तो सुख के बिना दुख भी नहीं। इनमें अंतर इतना है कि कि जो जिन्दगी को महसूस करते है, उनके लिए यह दुखों का भंडार है और जो इसे जीते है इनके लिए यह सुख का सागर है।

कहते हैं कि,जिन्दगी ऐसी है जैसे हवा में जलता हुआ दीपक जिसे हवा का एक हल्का सा झोंका पल में बुझा सकता है। इसलिए जिन्दगी को जिन्दगी समझकर प्यार से जियो, एक बोझ समझकर नहीं। जियों तो हंसके और मरो तो हँसके।
किसी शायर ने सच कहा है–

"जिन्दगी जिन्दा दिली का नाम है,
मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं।"

निखिल जायसवाल
कक्षा 10 'सी'

NATIONAL INTEGRATION

National integration is a concept of unity in diversity.
Where people fight against all diversity.
The country does not face any calamity.
And there is a feeling of nationality.
People are not divided into narrow domestic walls.
Rather are ready.
To hear nation's all calls.
Thus, unity is the only resolution.
Which will bring a through "revolution".
May the cause of all maladies
Be covered by miles of remedies.
Let, all the people have a conscience of divinity,
And gather a sense of serenity.
May there may be no more weeping in our country,
And happiness may be in plenty.
Let this feeling of oneness enlighten the benighted beings,
And uphold each other and uproot the disparity.
"National integration is the need of the gleaming and gliding humanity.

Rohit Kr. Yadav
Xth C

अगर चाहते हो तो

अगर बोलना चाहते हो तो मीठी बोली बोलो।
अगर छोड़ना चाहते हो तो बुरी आदतें छोड़ो।
अगर पीना चाहते होतो गुस्से को पियो।
अगर जीतना चाहते हो तो मन को जीतो।
अगर लेना चाहते हो तो आशीर्वाद लो।
अगर धारण करना चाहते हो तो सभ्यता और नम्रता धारण करो

शिवम कुमार यादव
X 'C'

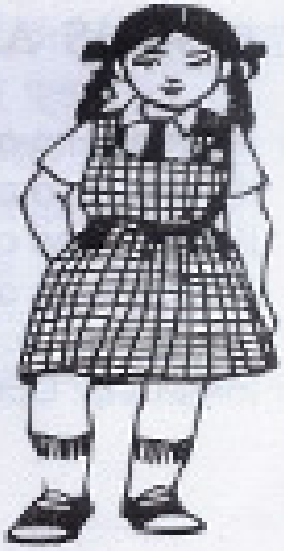

OUR SCHOOL SHREE MAHA PPRABHU PUBLIC SCHOOL

Shree Mahaprabhu is a name, which gives
Shivkuti Pride and fame
A School of our dream,
Where knowledge flows like a stream,
It has a lofty message.
That leads children to the right passage
It has its own song
At 7 : 25, the peon strikes the gong.
The teachers are like moms & dads
They look after us till we are lads.
The Principal is like a Supreme God.
He praises the best and punishes the Odd.
May one day it reach the top.
And show to the world, it will never stop.
You look in the east or in west.
You will find Shree Mahaprabhu is Best.

Raj Kumar
X-C

GOD IS ALWAYS WITH YOU

If there is no one to play with you
If there is no one to talk with you.
If there is no one to share with you.
If there is no one to walk with you
And when you are alone, then don't forget that God is with you.

Manima Mishra
Xth – A

SPORTING BENEFITS

- Maintained body weight and reduced risk of obesity.
- Improved lung and heart fitness.
- Healthy growth of bones, muscles, mucles, ligaments and tendons
- Reduced risk of type-2 diabetes.
- Lowered blood cholesterol levels.
- Lowered blood pressure.
- Ability to relax, improved sleep.
- Reduced chronic aches such as headache or backache.
- Improved co-ordination and balance.
- 'Feel-good' feeling, greater confidence and improved self-esteem.
- Enhanced social skills, personal skills, leadership, co-operation
- Ability to handle physical and emotional challenges.

Shivam Jaiswal
10th C

माँ का महत्व

आसमान ने कहा – "माँ एक इन्द्र धनुष है
जिसमें सभी रंग समाये हुए है"
शायर ने कहा– "माँ एक ऐसी गजल है जो सभी
के दिलों में उतरती चली जाए'
माली ने कहा – "माँ वह दिलकश फूल है,
जो पूरे गुलशन को महकाता है।"
औलाद ने कहा– "माँ ममता की अनमोल दास्तां है,
जो हर दिल पर कुर्बान है।"
वाल्मीकि ने कहा– "माता और मातृभूमि का स्थान तो स्वर्ग से भी ऊँचा है।
चाणक्य ने कहा– "माँ के समान कोई देवता नहीं है।

प्रीति मिश्रा
10 ए

कविता

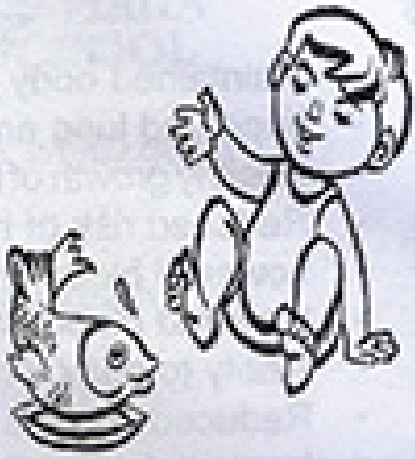

श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल महान है,
इसमें पढ़ना सबकी शान है।
यह ज्ञान का मार्ग बताता,
आगे बढ़ने की राह दिखाता।
श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल महान है,
इसमें पढ़ना सबकी शान है।
इसनें असम्भव को सम्भव में बदलना सिखाया,
पूरे इलाहाबाद में यह खूब नाम कमाया।
श्री भगवान दास पान्डेय ने पढ़ाई का माहौल बनाया,
श्री मती रविन्दर बिरदी ने इसमें हाथ बढ़ाया।
इन्होंने बृहस्पति और द्रोण जैसे शिक्षक लाये,
जिन्होंने बच्चों को अर्जुन जैसा बनना सिखाया।
श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल.....है।
मेरी कामना है कि यह खूब फूले–फले,
पूरे देश में यह स्कूल खूब बढ़े।

अमित कुमार राय
X^th "C"

माँ

कभी खाना खाते समय माँ से,
माँगना आधी रोटी मगर कर देगी माँ
खाबुत रोटी के लिए कहेगी हर बार,
तुम्हारे बहुत जिद करने पर
माँ करेगी रोटी के
दो असमान हिस्से और
बड़ा हिस्सा देगी तुम्हे, तुम सोचते हो–
मा ऐसा क्यो करती है जबकि माँ
कुछ नहीं सोचती इस बारे में।

ऋषभ सिंह कछवाह
10 "बी"

सीमांकन

बहुत लगाव है,
मुझे अपनी कल्पना से
सागर से अधिक गहरी,
आकाश से अधिक विस्तृत,

पृथ्वी से अधिक धैर्यशील और
मृत्यु से भी अधिक सत्य है।
परन्तु

बार–बार तुम्हारे द्वारा, अपने
अस्तित्व का भान,
बाधित करता है,
मेरी कल्पना की उड़ान,

और मुझे,
सीमित हो जाने का भय
संसार मेरा कल्पनामय
अब तो वापस ले लो

अब तो वापस ले लो
अपना नामांकन
क्योंकि मैं नहीं चाहती,
कोई भी सीमांकन।

प्रिया कुमारी
10 ए

POETRY
MY DREAMS

My Dreams are just a dreams
It is just like a cream.....
When I taste the cream it makes me more tasty,
But at a sudden it is finished
Again its became a dream.....
My dreams.....
It is just like a drops of rain
When the drops are fallen on my eyes
It shows me a great ocean in which in a only queen....
But at a sudden when I open my eyes it is just dream.
My dreams.....
It is just like a small baby plant when it is small it gives an excitement of growing,
When it comes to become huge gives a new creatures then out of it
At a sudden it dies.....
Again it becomes a dream.....
My dreams.....
It is just like to fallen in love.....
When we on in love it shows as a heaven to live a life.
But at a sudden the moments spends
Time come to become a one soul of each other, the hat breaks
We fallen down upto the sky
The life seems to be end all it is finished
Again its become a dream.....
My dreams are just a dreams.....

Tejaswini Singh
X C

SAVE ANIMALS

Hello friends ! I want to tell you about the animals. As you know today all the animals are in danger like-lion, tiger deer, elephant, etc. There is no security of animals. The hunters and poachers kill the animals. The Government of India said that if anyone will hurt the animal , he will get punishement. But no one obey's the government's order In the zoo the animals are kept in the cage, get no sufficient food, no medical did and hence they die.

Many people in our country are dependent on animals as they are the source of income for them as they sell their bones, Skin, and tusks, Tiger is our national animal but no one makes efforts to save them they are on the verge of extinction as they are hunted by the tourists who come from foreign countries. I want to ask- " Why should we kill animals ? They also have the right to live."

In the circus there are many animals as-lion, tiger, etc. but they are not treated properly. When the lion jumps through the burning ring, it gets burn injuries but no medical help is provided. It is not our right to kill them or hurt them.

We should save animals. So, friends please try your best and give your best to save our wildlife because they are our friends and our asset.

Divyanshu Shukla
10 "C"

QUOATATIONS

1 May the past close in sweet memories and the future open in bright
2 Winner never quits Quitter never wins.
3 Quit Moments are life's Rewards.
4 Love is the jewel that wins the world.
5 Better do small things perfectly than doing big thing imperfectly.
6 Anything the mind of man can conceive and believe it can achieve.
7 A good thing to give a person is a useful idea.
8 When the out look is bad try looking up.
9 A man asked jesus "How much do you love me?" "This much", "He answered" Then he stretched out his arms and died.
10 The whole world steps aside for someone who knows where he is going.
11 If you can't follow leaders you can never lead.
12 Leadership can get you where you want to be.

Swastika Raj Bhartiya
Xth A

IMPORTANCE OF TIME

Past you have lost
Present is your own
Future will it cost
For seeds you have sown
Per second you have load something
That will Never come again
Do not waste it in weeping
Or, Nothing you will gain
Time which passes you
Never looks behind
It is cruel and rude
Not passing and Not kind
Walk along with it.
It is friendly or ever.
Just give it a hit
It looks at you never
Success in your way
If you keep up with time
It will make you happy and gay
Punctuality is its sign.

Lalit Maan Singh Nagar
Xth C

फूल की पहचान

कोई भी समझ ना पाता, उस मासूम सी सूरत को
इतनी भोली सूरत उसकी, छूना चाहे सब उसको
सौ रंगों के इतिहास को, सबको ये समझाए।
रंगों की पहचान है, क्या, हम को ये बतलाए।
दुश्मन को भी दोस्त बनाए, जहर अमृत से बदल जाएं।
कोई भी समझ ना पाता, उस मासूम सी सूरत को।
इतनी भोली सूरत उसकी, छूना चाहे सब उसको।
मन की सारी व्यथा सुनाए बिछड़ों की फिर याद दिलाए।
पीर गमों की बादलों को खुशियों की ये बूँद बरसाए।
खुशियाँ लाख दी पर चाह ना इसको मिल पाई।
जिंदगी बीत गई इसकी पर सह ना कोई मिल पाई।
कोई भी समझ ना पाता, उस मासूम सी सूरत को।
इतनी भोली सूरत उसकी, छूना चाहे सब उसको।

अमृता सिंह
11

मानवता

मनुष्य देवता न बने, कोई गम नही,
मनुष्य दानव न बने, यह भी कम नही।
न जिए दूसरों के लिए, कोई गम नही,
जीने दे दूसरों को यह भी कम नही।
न बने सहारा किसी का कोई गम नही,
न तोड़े सहारा किसी का यह भी कम नही।
रोये न दूसरों के लिए कोई गम नही,
न रुलाए दूसरों को, यह भी कम नही।
न उठाए गिरे हुओं को, कोई गम नही,
उठतों को न गिराए, यह भी कम नही।
न जाने दूसरों को, कोई गम नही,
अपने को जान पाए, यह भी कम नही।
मनुष्य देवता न बने, कोई गम नही,
मनुष्य ! मनुष्य ही रहे, यह भी कम नही।

निरीशा गुप्ता
11 'ए'

STUDENTS AND DISCIPLINE

Discipline is a way of leading an ideal life. This path is made during the student life. If during the student life, good habits are inculcated, the objective is known and the student is able to realise. The importance of his life, then such a student certainly moves towards the goal of success; that is because he has learnt how to make the best use of time. Remaining in discipline and maintaining. A discipline environment is the primary duty of a student. Student life is the most precious part of the life of a man. Each and Every moment student life is very useful. Only that student can make good use of these moments who remain disciplined. The first step of discipline is obeying the orders of parent and teachers, giving compiete attention to studies and giving full attention to home work the right time and finally, carefully absorb in the education being given in school are the vital tasks to be carried out by the student. Wastage one's time in the cafeteria of school or Collage, consuming tea or coffee, watching movies and bunking classes to move about aimlessly are the activities that make a mockery of the student life. These lead to wastage of one's time. Now a days, a great majority of children are found to be including in such activities. Their aversion for studies permits them neither to become politician nor to get them oriented towards such tasks as would lead to their benefit or the benefit of the country. Now a days, the partially educated but unemployrned people of India are those very individuals who wasted their time in useless activities by defying the discipline of the student life. The same individuals met their waterloo when those golden times elapsed. Twenty to thirty years ago, the atmosphere of schools and collages were not the same it is today. During those times, teachers were also disciplined and so were students. The craze for the tuition was not so high to reduce education in schools to almost a naught and force parents to send their children for tuitions. The relations between the students and teachers used to be the same as were between the child and his parents.

Dilip Kumar Patel
XI A

EDUCATION : A BROAD PERSPECTIVE.

Education : It is difficult to define this term in a few words because no two points of view can be the same on this issue.

We consider a person who is a computer engineer, a doctor or a teacher to be educated. But what about moral values? Aren't they important? It is a sorry state of affairs that today India is heading towards materialism, which professes that money is important, name the means by which you get it, education should strive for all around development of an individual. A child may not be a topper but he/she should imbibe values of faith, honesty and concern for others. This increases the responsibilities of our educational institutions. They should be temples of learning. Temple means a place where everything is pure and natural. Schools should not be like a factory where children in bulk enter at a fixed hour and go home and ultimately pass out with the degree of CBSE, ICSE etc. But we must also not forget the home is the first school of the child and parents are his first teacher. They should give congenial environment to the child, so that he can develop his physical and mental abilities to the full. A child is an individual too. This should be kept in mind while bringing up a child. No two siblings can be the same. So, to conclude, we should not expect that if a child is getting 80% marks, then the other child should also get the same. He/she might be good in some other fields and should be encouraged in that field. So, to conclude, we should not worry about percentage but I aim at towards making of good individuals and hence good citizen of our nation.

Surabhi Yadav
XI A

SPIRIT OF SPORTS

Games teach us moral and socials values. They develop a concentration and a sense of co-operation in the players.
Team spirit is all that matters.

To follow a sport's man's spirit is perhaps the best philosophy of life. Games brings together players of different religions and teacher them to understand each other work together. The spirit of sports develops discipline in our lives. Aristotle once said, "Discipline is obedience to the rules formed by society for the good of all". International competitions like the Olympic Games bring different nations together and develop a feeling of mutual understanding and a felling of co-operation among players.

Success in games depends upon team spirit and co-operation. Many people think that sports are a more wastage of time, and may discourage games and sports But we must remember that "All work and no play makes a man dull".

Games & sports are as old as human civilization itself. The history of some sports like hunting, horse racing and boxing is difficult to trace. Modern games are improved versions of ancient games and sports.

Games provide a healthy recreation, both to the players and the spectators alike.
Games are important, but not at the cost of work. If all work & no play makes a man dull, all play and no work will makes him a burden on society.

Divya Tripathi
11th A

Corruption
A tyrannous Evil .....

" To fight the evil, you need to know the roots of that evil"

In the 65 years of our independence. India saw a great many days of suffering, torment, toil and desperate efforts to claim peace. The people of India witnessed drastic changes in social as well as political scenario. From religious riots to internal racism, from increased crime rate to rise of terrorism, Indians have seen it all. But the biggest of these evils has been the birth of corruption in our nation. As the development in economy began to take a flight, the disastrous problem of corruption took its rise. From scams to bribery, Indian politicians as well as officials had their name involved and still bear the plight of their actions. starting from the Boforce scam in the reign of Gandhi Clan, India saw a number of scams one after another.

The Boforce Scam in the 80's is one of the most highlighted scandals in the political history of India and the late former Prime Minister Rajeev Gandhi saw his name and reputation being held at stake.

Ever since then, almost every government in India has had its name stained with the money scandals and numerous scams at large scales. In the past decade, although, it is evident that corruption has gone beyond all limits. The much-hyped. Stamp Paper scam, the Commonwealth games Scam and the very recent 2G Spectrum Scam are some of the most highlighted and named scandals of the last decade. Money spent away like trash, big names indulged one after another-such were the basic news about each and every scandal And what all these scams had in common was that it was always the innocent citizens of our nation who suffered from these scandals the most.

Corruption has inflicted upon us a number of plights and toils and has took its toll upon all of us. After all, the money our politicians gulped down their throats was, by all means, our own money, the money that belonged to each and every hard working citizen of our country. This tormentation of our society has finally now took on a new shape of wide spread movements all over the country.

Vasudha Singh
XI A

SCIENCE IS BLESSING

Dear Friends,

Science has revolutionized our lives in all spheres of development such as travel, transport, communication, trade, commerce, industry, medicine recreational and agriculture and many many more. Electricity, a great gift of science has worked wonders for men. Many comforts and luxuries of our life are owing to this gift.

Besides this, the progress in science has increased life expectancy. Advancement in medical science has brought out new pills therapies and surgical treatment which can fight dreaded diseases easily. Many complicated operations and surgeries can be performed through the laser technologies. Earlier, people were died due to normal & simple health problems such as B.P. & diabetes but today because of good modern technologies in medical field, one can fight cancer & tumor.

Science has given a tremendous boost to the industry, agriculture and tele-communication as well. With the progress of advancement in space as well as information technologies, satellite link transmit information easily from one place to another place. It makes the world a smaller place. These and many more, the benefits of science are too many to be enumerated in a short article.

Science is a power. Yet like every powerful thing, it has both dark and bright side. If it's used constructively, it will help us to remove ignorance superstition and diseases.

It will also help us in establishing peace and bringing the nations closure. However, if we don't use it judiciously, then it may be reduces the world into ashes. So Science is blessing, if we, for our selfish interests aren't bent upon making it a curse.

Swati
XI (Science)

FRIENDS

Friends are like stars,
They make our smiles shine,
Friends are like tears,
They some times taste like salty wine.
Friends are like flowers,
Their petals colour our lives,
Friends are like gardens,
Filled with birds and butterflies.
Friends are like the sun,
They guide us through dark days,
Friends are like the moon,
Shining at night and spreading its rays.
Friends are like the great sea,
You can never measure their love,
Friends are like free birds,
They care you like a mother does.
Friends are like the sky,
Endless, spiritual and high.
Friends are like doctors,
Worried at your every sigh.
My friends are my life,
They fill my heart with joy.
My friends give me courage,
They make me laugh and cry.
My friends are my soul mates,
My shelter and my retreat.
My friends give me hope and solace,
May be never say good bye.....

Anjana
XI A

FRIENDSHIP

Bird's can fly
Rivers may dry
You can forget m
But never can't
Birthday is yours
Poems are mine
May your future
Always shine
Make a new friend
Remember the old
For new is silver
And old is gold

Nidhi Maurya
Commerce 11th B

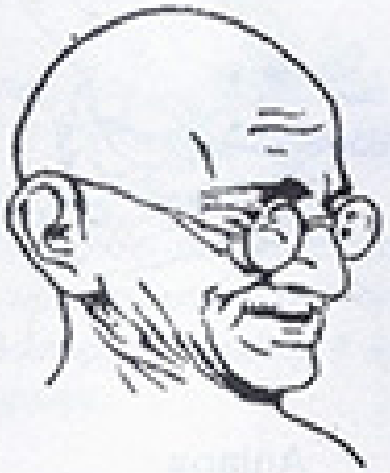

जिंदगी की जिज्ञासा

जिन्दगी क्यों कीट पैतगों सी लगती है।
क्या रहस्य है इस जीवन का,
क्या कर्तव्य है इस जीवन का,
उलट–पुलट कर सो खेल रही है।
हर मन का इक कोना छोड़ रही है।

जानना चाहते सो मन का आँगन सारा
उलझन सी ये जिज्ञासा है,
कभी ठहर उठे, कभी लहर उठे।
अंग–अंग का सारा कोना,
क्यों यही है सारी जीवन की कहरे?

भीड़तंत्र की इस नगरी में
जीवन की नयी राहें तलाशे
ये नामुकिन या मुमकिन है सो
कुछ कर पढ़ के हम आगे चले।

नमिता गुप्ता
11 ए

परमाणु ऊर्जा

कितनी लाभदायक, कितना नुकसानदेह

भारत अमेरिका भारत इंडोनेशिया, भारत ब्राजील, और कई देशों के समझौते के कारण आज के समय में परमाणु ऊर्जा जितनी चर्चित हुई है उतनी पहले कभी नहीं हुई। आज के समय में इसका प्रयोग बिजली बनाने के लिए किया जा रहा है। कुछ लोग इसे भविष्य के लिए निहायत (अतिआवश्यक) जरूरी संसाधन मान रहे हैं तो कुछ का कहना है कि यह मानव जाति के विनाश का कारण बनेगी। इस बहस का परिणाम क्या निकलेगा, यह तो वक्त बताएगा, फिलहाल परमाणु ऊर्जा के लाभ व हानियों पर एक नजर डाल लेते हैं।

प्रदूषण पर नियंत्रण– बिजली की बढ़ती मांग के मद्देनजर (ध्यान) जीवाश्म ईंधन से विद्युत उत्पादन करने वाले संयंत्रों से होने वाला प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुँच रहा है। कोयला, तेल, एवं गैस को ईंधन के रूप में प्रयोग कर ताप विद्युत उत्पन्न करने वाले संयंत्रों से होने वाले प्रदूषण की मात्रा बहुत अधिक है। जिसमें अमेरिका अकेले 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।

विश्व में जीवाश्म ईंधन के कम होते स्त्रोतों के चलते अधिकाधिक ताप विद्युत संयंत्र अपेक्षाकृत घटिया क्वालिटी के कोयले को ईंधन के रूप में प्रयोग करने को मजबूर है जिससे वातावरण में और अधिक मात्रा में सल्फर के यौगिक पहुँच रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार अगले 50 वर्षों में विश्व से जीवाश्म ईंधन के स्त्रोत पूरी तरह समाप्त हो जाएगें। परन्तु विश्व में पर्याप्त मात्रा में यूरेनियम एवं परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में प्रयुक्त होने वाले अन्य ईंधन जैसे थोरियम प्लूटोनियम इत्यादि मौजूद हैं। आधुनिक ब्रीडर रिएक्टर प्रयुक्त ईंधन से अधिक परमाणु ऊर्जा के ज्ञात स्त्रोत अगले लगभग 1000 वर्षों तक विश्व की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते हैं।

निर्भरता– परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बहुत कम मात्रा में ईंधन की आवश्यकता होती है। अतः ईंधन की आपूर्ति में आने वाले संभावित व्यवधानों जैसे हड़ताल अथवा कोई प्राकृतिक आपदा से परमाणु संयंत्रों के ऊर्जा उत्पादन पर अपेक्षाकृत बहुत कम असर होता है क्योंकि एक लंबे समय तक की जरूरत के परमाणु ईंधन का आसानी से भंडारण किया जा सकता है। हालांकि, यूरेनियम के खनन के पश्चात् बचा हुआ अयस्क इस क्षेत्र विशेष के लोगों को रेडॉन विकिरण झेलने पर विवश करता है परन्तु रेडॉन विकिरण की यह मात्रा ताप विद्युत संयंत्र से उत्पन्न राख के फलस्वरूप होने वाले रेडॉन विकिरण की तुलना कम होती है। उपलब्ध अनुमानों के अनुसार परमाणु ईंधन का प्रयोग कोयला जलाने की अपेक्षा कहीं अधिक सुरक्षित है।

सुरक्षा– परमाणु ऊर्जा विश्व की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अकेले अमेरिका में ही प्रतिवर्ष 10 हजार से 50 हजार व्यक्ति कोयला जलाने में उत्पन्न होने वाले प्रदूषण का शिकार हो जाते हैं। इसके विपरीत परमाणु ऊर्जा संयंत्र में किसी दुर्घटना अथवा उनसे उत्पन्न विकिरण के फलस्वरूप किसी भी जानमाल की हानि की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। परमाणु संयंत्रों में अमल में लाए जाने वाले अनेकानेक सुरक्षा उपायों

के फलस्वरूप परमाणु संयत्रों में किसी दुर्घटना की संभावना नगण्य होती है। इसी प्रकार इन संयंत्रों में प्रयुक्त तकनीक के फलस्वरूप संयंत्र के अन्दर विद्यमान विकिरण अथवा ऊष्मा का भी वातावरण में आना लगभग असंभव ही होता है।

सामान्यतः एक परमाणु संयंत्र में लगभग 11 से 15 गज स्टील की चादर से घिरा होता है जिसमें अत्यंत उच्च दाब को सहन करने की क्षमता होती है। इसके बाहर कंक्रीट की एक मोटी परत होती है। यह स्तर गृह ठोस इस्पात के एक बर्तननुमा ढाँचे में बंद होता है। तथा यह ढाँचा लगभग चार फुट मोटी कंक्रीट की दीवारों के अंदर स्थित होता है। यह कंक्रीट का ढाँचा तीव्रतम भूकंपों तथा तीव्र झटकों यहाँ तक कि एक बड़े हवाई जहाज की टक्कर को भी झेलने में सक्षम होता है। इसके अतिरिक्त इन संयंत्रों के अन्दर ताप दाब, विकिरण एवं आर्द्रता आदि पर नजर रखते हैं। इनमें से किसी के भी एक निश्चित सीमा से अधिक बढ़ जाने की अवस्था में संयंत्र के अन्दर होने वाले चेन रिएक्शन को तत्काल पूरी तरह रोका जा सकता है।

परमाणु ऊर्जा के पक्ष में अन्य बिन्दु–

1. परमाणु विखण्डन एवं परमाणु संलयन दोनों पर अधिकाधिक शोध जारी है तथा इन दोनों में ही निकट भविष्य में बड़ी तकनीकि उपलब्धियाँ हासिल होने की संभावना है।
2. बदलते वातावरण की समस्या से निपटने के लिए ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में 80 प्रतिशत से भी अधिक की कमी लाना वांछनीय है। परमाणु ऊर्जा इस उद्देश्य की पूर्ति में अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकती है।
3. विश्व में बढ़ती ऊर्जा मांग के मद्देनजर परमाणु ऊर्जा विकल्प को अधिकाधिक विकसित करना आवश्यक हो गया है। अन्तराष्ट्रीय ऊर्जा एजेन्सी के अनुमानों के अनुसार यदि नीतियों में परिवर्तन नहीं किया गया तो 2030 तक विश्व की ऊर्जा मांग में 50 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि अवश्यभावी है।
4. पिछले कुछ समय में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में प्रयुक्त होने वाली तकनीक का अधिकाधिक विकास हुआ है और आधुनिक परमाणु संयंत्र पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सुरक्षित और क्षमतावान है।
5. स्वीडन और फ्रांस जैसे देशों जहाँ परमाणु ऊर्जा देश के कुल उत्पादन का एक बहुत बड़ा हिस्सा है, कि परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम ऑस्ट्रेलिया, भारत एवं चीन जैसे देशों में जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु तथा विद्युत पर निर्भर है की अपेक्षा कहीं कम 'कार्बन फुटप्रिंट' छोड़ते हैं।

परमाणु ऊर्जा की हानियाँ–

दुर्घटना की संभावनाएँ– विखण्डन संयंत्र में शीतलक के रूप में प्रयुक्त होने वाले भारी जल की मात्रा यदि खतरनाक सीमा तक कम हो जाए तो इससे ईंधन छड़े अत्यधिक गर्म होकर पिघलने की आशंका पैदा हो सकती है। ऐसा होने पर ईंधन छड़ों के अन्दर रखी गई यूरेनियम की गोलियां बाहर आ सकती है। जिससे तापमान में और अधिक वृद्धि हो जाएगी। यदि इन ईंधन छड़ों का तापमान 2800°C तक पहुँच जाए तो ईंधन पिघल जाएगा और एक अत्यंत गर्म सफेद रंग के पिघले

लावा के समान यह रेडियोधर्मी पदार्थ रिएक्टर के ढाँचे से निकलकर नीचे धरती तक पहुँच जाएगा।

परंतु इस सब के होते हुए भी दुर्घटना की संभावनाओं को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। थ्री माइल द्वीप की दुर्घटना भी एक ऐसी ही आंशिक पिघलाव की घटना थी जिसकी बजाय संयंत्र के आंतरिक कोर में शीतलक की आपूर्ति का क्रोर पूरी तरह से नष्ट हो गया परन्तु कई मोटी कंक्रीट की परत ने इस पिघले हुए द्रव्यमान को काफी समय तक रोके रखा और इस दौरान संयंत्र के इंजीनियरों को शीतलक आपूर्ति व्यवस्था को ठीक करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया।

मार्च 2011 में जापान के परमाणु ऊर्जा रिएक्टर में आई रिसाव के कारण जापान की पूरी जलवायु बदल गई। यह रिएक्टर फुकुशिमा में बनाया गया था यह रिसाव जापान में आये भूकंप के कारण हुआ था। यहाँ पर भी शीतलक आपूर्ति व्यवस्था में आपत्ति जताई गई थी। इसके कारण जापान की पूरी जनसंख्या को इसका बुरा असर पड़ा।

विकिरण– विकिरण की लगभग 2000 रेम्स की मात्रा विकिरण संबंधित व्याधियाँ उत्पन्न कर सकती है। परन्तु तभी जब यह एक साथ इतनी मात्रा में किसी व्यक्ति विशेष को प्रभावित करें। हम में से प्रत्येक लगभग 200 मिली रेम्स विकिरण प्रतिवर्ष वहन करता है। जिसका प्रमुख स्त्रोत दैनिक उपयोग की कुछ वस्तुएं एवं खगोलीय विकरण स्त्रोत होते है। यदि हम अपनी समस्त ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति पूरी तरह परमाणु ऊर्जा पर निर्भर हो जाए तो औसतन हम में से प्रत्येक 0.2 मिली रेम्स अतिरिक्त विकिरण का सामना करेगा। हालांकि विकिरण की यह मात्रा इतनी नहीं है कि इससे रेडियोधर्मी विकिरण से उत्पन्न होने वाली तीन वर्ग व्याधियों (कैंसर विकिरण मूर्च्छा अथवा जेनेटिक म्यूटेशन) का खतरा हो परन्तु इस विकिरण के दूरगामी परिणामों की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। रेडियोधर्मी विकिरण से संबंधित एक चिंताजनक तथ्य यह भी है कि यह एक बार यदि वातावरण को प्रदूषित कर दें तो इसका प्रभाव बहुत लंबे समय तक रहता है तथा जिस भी जीव संपदा को यह प्रभावित करता है उसे इसके परिणाम एक लंबे समय तक भुगतने पड़ते हैं।

रेडियोधर्मी कचरा– विखण्डन आधारित परमाणु ऊर्जा संयंत्र में उपयोग में लाए जाने वाले यूरेनियम 235 के विखंडित सह उत्पाद हजारों वर्षों तक रेडियोधर्मी रह सकते हैं। इसके अतिरिक्त उपयोग में लाए जा चुके ईंधन में सदैव यूरेनियम 235 का अंश शेष रह जाता है। जो भविष्य में भी बड़ी मात्रा में रेडियोधर्मिता वातावरण में फैला सकता है। अतः इस कचरे का सही एवं सुरक्षित डिस्पोजल एक बड़ी समस्या है। विकसित राष्ट्रों ने इस कचरे को सुरक्षित रूप में फेंकने के लिए बड़ी–बड़ी भूमिगत साइटों का निर्माण किया है परन्तु फिर भी जगह कम पड़ जाती है। इस कचरे की समुचित संग्रहकरण व्यवस्था का न होना भी विश्व में परमाणु ऊर्जा के विकास के मार्ग की एक बड़ी बाधा है। इस कचरे का एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवहन भी स्वयं में एक बड़ी समस्या है।

रिचा शुक्ला
11 ए

पंचतत्व और हम

हमारे शरीर का निर्माण पंच तत्वों से बना है। ये पंच तत्व हैं– पृथ्वी, जल, अग्नि (धूप), वायु और आकाश। हमारे शरीर की प्रत्येक कोशिका में इन तत्वों का प्रतिनिधित्व है। शरीर की समस्त कोशिकाएँ स्वयं को स्वस्थ रखने में सक्षम होती है पर यह तभी संभव है जब हम प्रकृति के नियमों के अनुरूप जीवन व्यतीत करें।

पृथ्वी :–

1. स्वस्थ रहने के लिए पृथ्वी के सम्पर्क में रहना यानि मिट्टी पर नंगे पैरों से चलना या ओस से भीगी हुई घास पर टहलकर पृथ्वी से सम्पर्क का लाभ उठाया जा सकता है।
2. यदि संभव हो तो मिट्टी या घास पर लेटने से शरीर की थकान दूर कर उसे पुनः स्फूर्तिवान बनाना है।

जल–

1. प्रातः काल उठकर ताज़े जल से स्नान करने से शरीर के समस्त रोम छिद्र खुल जाते हैं इससे शरीर के हल्कापन और स्फूर्ति आती है तथा सी मांस

रुचि पाण्डेय
11 ए

TEACHER

A teacher is like a lamp,
Who enlightens our minds with knowledge.
A teacher is like a flower,
Who imbibes in us the scent of education.
A teacher is like a captain,
Who directs our life's ship.
A teacher is like a pillar,
Who supports the building of progress.
A teacher is like a gardener,
Who cultivates good qualities in students.
A teacher is like God,
Who gives a new life and a new vision.

Swati Pandey
XI A

Staff Member

Our Helping Hands

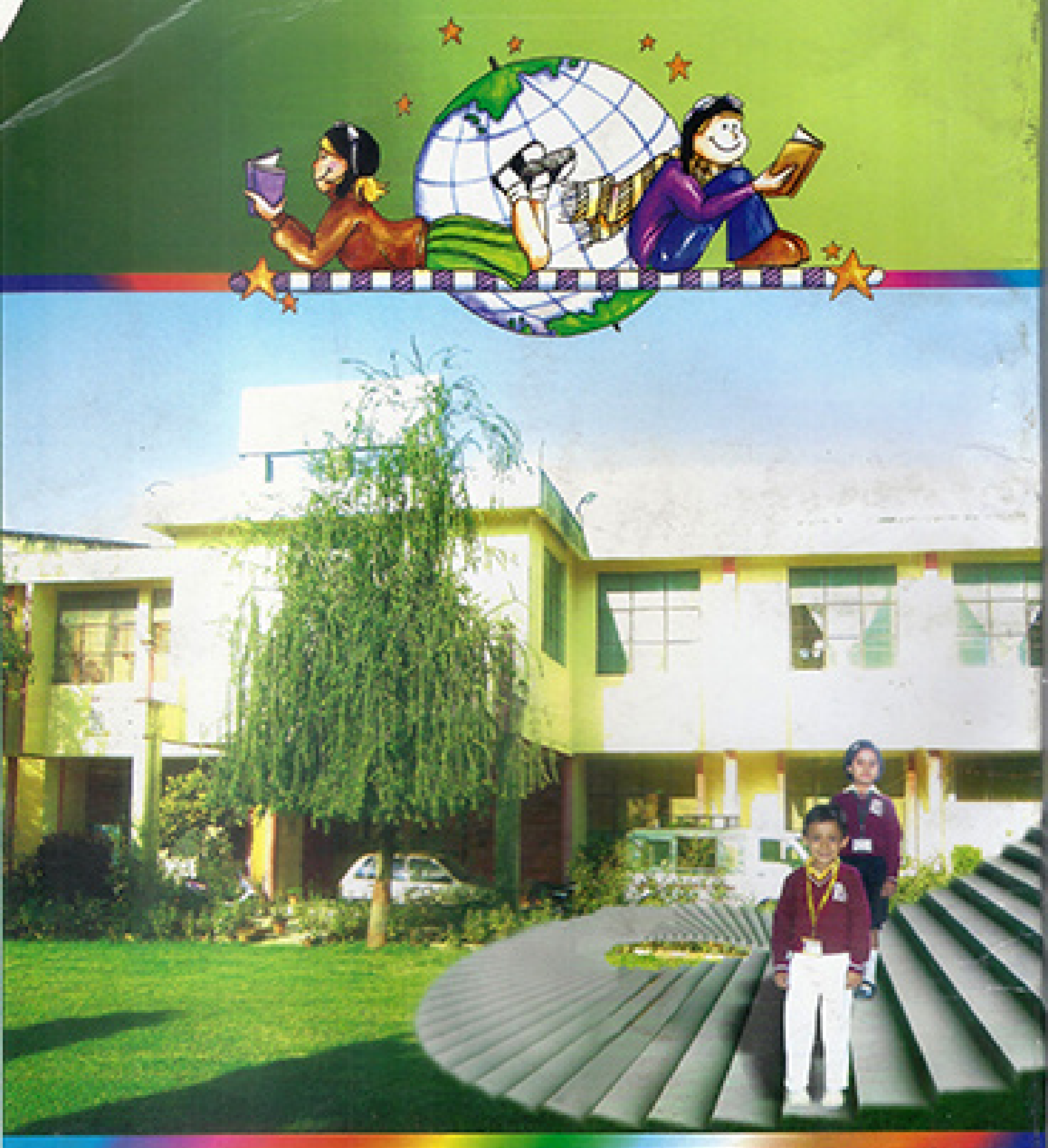

College Building SMPPS
Narayan Ashram Shivkuti, Allahabad.

SHRI MAHAPRABHU PUBLIC SCHOOL

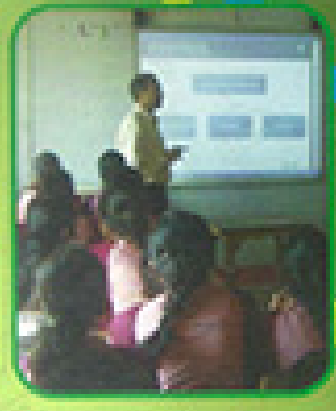

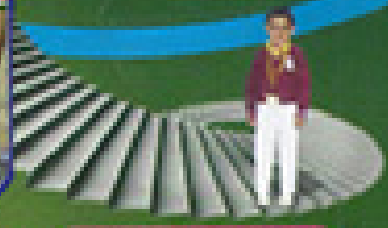

Inspiration

2011-12

Swami Jamunaji

Shri 1008 Narayan Mahaprabhu

Shri 1008 Nirma Narayan Mahar

Smriti Santji, Girdhar narayan Maharaj ji, Shiva Santji, Gopi San

सन्देश

हमें यह जानकर खुशी हो रही है कि श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल एवं कालेज अपनी गौरवशाली शैक्षिक परम्परा के अनुसार 'INSPIRATION' पत्रिका का दूसरा अंक प्रकाशित करने जा रहा है। वर्तमान समय हम सभी के लिए चुनौती के साथ विकास के पथ पर अग्रसर होने के लिए प्रेरणा दे रहा है। इस चुनौती का सामना सभी छात्र / छात्राओं को धैर्य, संयम एवं सहयोग से करना है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग विद्यालय के सभी शिक्षको अभिभावको तथा छात्र / छात्राओं को समाज के प्रति अपनी भागीदारी एवं जिम्मेदारी का निर्वहन दृढ़तापूर्वक करना होगा तभी सुखद एवं सुन्दर भविष्य का सपना साकार हो सकेगा।

हम इस विद्यालय को एक आदर्श विद्यालय बनाना चाहते है। शिक्षा एक ऐसा विषय है जिसके बिना किसी का उत्थान नहीं हो सकता है। शिक्षा के बिना अपने शरीर का भी उत्थान नहीं हो सकता, अन्य की कौन कहे। दो प्रकार की उन्नति होती है एक भौतिक एक आध्यात्मिक। क्योंकि हम भी दो है– एक आत्मा एक शरीर। तो शरीर के लिए भी उत्थान आवश्यक है और आत्मा के लिए भी उत्थान आवश्यक है। हमारे हिन्दू धर्म में भारतीय दर्शन में धर्म की परिभाषा की गई है– धर्म उसे कहते है जिससे भौतिक और आध्यात्मिक दोनों उन्नति हो। एक विषय से काम नहीं होगा। हम अगर अपने देश को हीरे, जवाहरातों से भर दे, सोने की दीवारे बना दें भौतिक उत्थान से किन्तु इसमें रहने वाला पागल हो तो उत्थान कुछ काम का नहीं होगा। इसलिए अन्तःकरण को शुद्ध बनाने के लिए हमको अध्यात्मवाद की भी आवश्यकता है और शरीर को समाज को स्वस्थ रखने के लिए भौतिकवाद की आवश्यकता है। दोनों का उत्थान होना चाहिए और ये उत्थान शिक्षा के द्वारा ही सम्भव है। शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी तीनों का संतुलन उच्च कोटि का हो तो लक्ष्य की प्राप्ति हो जाती है।

अन्ततः मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी 'INSPIRATION' पत्रिका का दूसरा अंक सम्पूर्णता एवं नये संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी। इन्ही मनोकामनाओं के साथ मैं 'INSPIRATION' पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ।

मौनी अमावस्या
23 जनवरी 2012

गिरिधर नारायण महाराज जी

JUSTICE SUDHIR NARAIN
Former Judge, Allahabad High Court
MEMBER
Cauvery Water Disputes Tribunal

सत्यमेव जयते

OR. :
A-Wing, 4th Floor
Janpath Bhawan, Janpath
New Delhi-110001
Phone : 23711601
23715945

Res. :
29, C.Y. CHINTAMANI ROAD,
GEORGE TOWN,
ALLAHABAD.
PHONE : 0532-2468526

Message

It is immense pleasure to me to know that Shri Mahaprabhu Public School & College, Sheokoti, Allahabad is going to publish its own journal. It is an impetus to the students to write articles expressing their views. It will be their literary march. To the public, it will give the glimpses of activities of College, its plans and objectives.

I wish its success.

Sudhir Narain

Justice Sudhir Narain

The Principal
Shri Mahaprabhu Public School & College
Sheokuti, Allahabad

सन्देश

महाप्रभु पब्लिक स्कूल की स्थापना श्री 1008 निर्मल नारायण महाराज जी के कर कमलों से 2005 में हुई परम पूज्य श्री महाराज जी का ये शुभ संकल्प का विस्तार कहाँ तक होगा और ये तो भविष्य बतायेगा क्योंकि ये महातपस्वी महायोगी महात्यागी, सद्गुरू स्वरूप पूज्य श्री महाराज का दृढ़सत्य संकल्प है जो असंभव को भी संभव कर सकते हैं, पर वर्तमान में भी इसकी प्रगति, विस्तार कम नहीं है। इलाहाबाद का ये माना जाना स्कूल है जो उच्च स्तर पर चल रहा है। परम पूज्य श्री महाराज जी से यही प्रार्थना है हम सब में और हमारे स्कूल परिवार में नन्हें मुन्ने बालकों में सद्बुद्धि भर दें ताकि हम सब आपके इस स्कूल को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाते रहें आपकी परम कृपा से सभी कुछ संभव है।

गुरूकृपा ही केवलम्

(संत शिवाजी)

सन्देश

श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज 'Inspiration' पत्रिका की द्वितीय आवृत्ति प्रकाशित करने जा रहा है, बड़े हर्ष का विषय है। इस विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

इलाहाबाद का यें माना जाना स्कूल है जो उच्च स्तर पर चल रहा है। परम पूज्य श्री महाराज जी से यही प्रार्थना है हम सब में और हमारे स्कूल परिवार में नन्हें मुने बालकों में सद्बुद्धि भर दें ताकि हम सब आपके इस स्कूल को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाते रहें आपकी परम कृपा से सभी कुछ सम्भव है।

गुरुकृपा ही केवलम्

(गोपी सन्तजी)

MESSAGE

Inspiration is something which comes from inside us. Nature's book is full of inspirations for us, from the sprouting selling to the beauty of the rising sun and the setting sun. The singing birds and the whispering of the flowing water of the river.

Successful people remind us that behind every inspirations success is a lot of hard work, who wait and persevere. They don't let failure bother them.

Inspired people tell us, "The first and most important step towards success is the felling that we can succeed." –**Nelson Boswell.**

Good, better, best, never let it rest till your good is better and your better best."

These words of wisdom inspire us to do the best we can to make things successful. One should never listen to people who try to discourage in reaching the goals we have set for overselves and others. Instead if possible we should be helpful and encouraging as we can be.

Last but not least is *"That some achieve great success is proof to all that others can achieve it as well"* – **Abraham Lincoln.**

Taking inspiration from these words we should keep marching on till inspiration become successful.

Inspirations are the bookmarks of success.

"Take pride in how far you have come. Have faith in how far you can go."

—Sant Smriti Ji

PRABHA AGARWAL
Lecturer Physics, Maths

Phone : 2468528
"HANS KUTIR"
29, C. Y. Chintamani Road,
George Town, Allahabad-2

Date .....

Message

I am delighted that Shri Mahaprabhu Public School & College, Allahabad has decided to publish annual journal. It will not only reflect the various activities of the students and staff but also will be encouragement to the students to write articles. They shall develop best talents.

My best wishes.

Prabha Agarwal

Prabha Agarwal

Secretary of Shri Narain Mahaprabhu
Charitable Society

The Principal
Shri Mahaprabhu Public School & College
Sheokuti, Allahabad

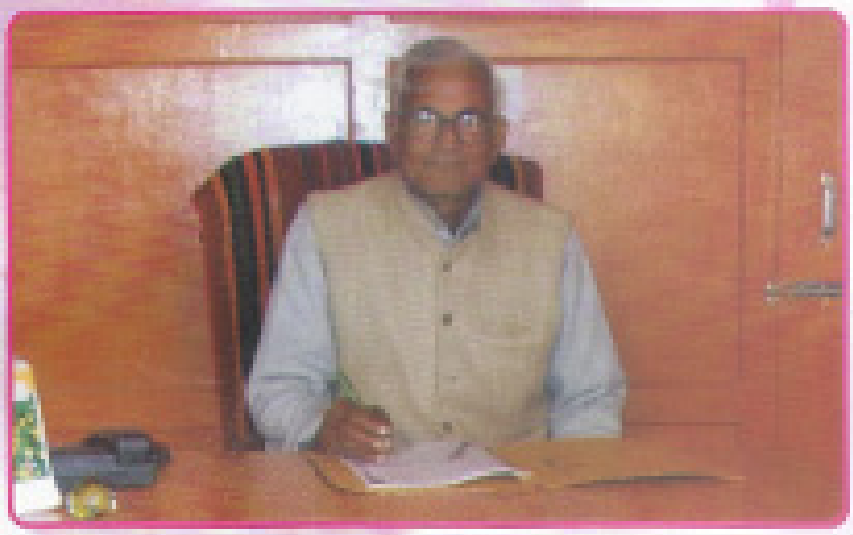

Message

हर्ष है कि श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज Inspiration पत्रिका की द्वितीय आवृत्ति मुद्रित कर रहा है। पत्रिका का शीर्षक एवं विषय वस्तु सुधी पाठकों एवं छात्र/छात्राओं के जीवन में स्वास्थ्यकारी अवधारणा के साथ बहुआयामी सिद्ध होगी। व्यक्तियों को जब सत्प्रेरणायें मिलने लगती हैं तो उसकी सकारात्मक सोच विकसित होने लगती है।

वास्तव में सकारात्मक सोच जीवन को ऊर्जा देती है। यह सोच नवीन आशा, उत्साह एवं उमंग का संचार करती है। इसके विपरीत नकारात्मक सोच संचित ऊर्जा का शोषण करती है। सकारात्मक सोच से जीवन की समस्याओं का समाधान स्वतः हो जाता है। नकारात्मक सोच से शक, सन्देह, भ्रम अविश्वास हमारे सम्पूर्ण व्यक्तित्व को आच्छादित कर लेता है। हम स्वयं को अपंग, अपाहिज एवं अक्षम अनुभव करने लगते हैं। हमारा जीवन स्वयं हमारे लिए एवं दूसरों के लिए बोझ लगने लगता है।

आशा एवं विश्वास है कि श्री महाप्रभु पब्लिक स्कूल एवं कालेज वर्तमान के अनुसार भविष्य में भी प्रधानाचार्या एवं शिक्षक शिक्षिकाओं की सत्प्रेरणाओं की सकारात्मक सोच (Inspiration) द्वारा विद्यार्थियों के चतुरमुखी विकास द्वारा अभिभावकों को संतृप्त करता रहेगा।

मकर संक्रान्ति 2012

श्री श्रीभगवान पाण्डेय
प्रबन्धक
S.M.P.P.S.

The Principal Speaks

I would like to congratulate the Staff, Teachers and Students for putting forward their immense efforts to make the second issue of INSPIRATION' possible.

The year 2010-11 has shown a remarkable improvement in terms of education, extra co-curricular activities, sports, infrastructure and working environment. This is just the beginning as we strive to reach the stars by adding smart classes, improving on the available infrastructure as well as on building on new infrastructures trying to provide the students with the best possible academic and non-academic staff with an innovative studying environment.

Moreover, we have been focusing and will further continue focus on the students all round development, by providing them all that is required to build their inner and outer confidence that is the back bone for an individual personality to survive successfully in the world today.

I would further like to take this opportunity to promise all the staff, teachers and students that it is our responsibility to ensure that they will always remain proud for being a part of Shri Mahaprabhu Public School & College as we strive for success. I would also like to mention that parents are always welcome to the institution to participate in their child's well being.

I would like to thank and express my immense appreciation for all hon'ble and respected people who have taken out their precious and invaluable time for extending their message for this year's edition of 'INSPIRATION'.

RAVINDER BIRDI
Principal
S.M.P.P.S.
Narayan Ashram Shivkuti, Allahabad.

Message

Shree Mahaprabhu Public School and college aim to encourage education for students in a special way to serve the needy sections of society. With the grace and blessings of our Maharaj Ji this institution is providing sound, moral, physical, cultural and holistic formation for the upliftment of the students studying here. This institution will stress on intellectual formation and emotional integration, so that through various activities our students prepare themselves gradually to make their own right vocational choices.

On this occasion I would like to congratualate the staff and students on the release of this 2nd issue of **'Inspiration'** which is an endeavour to tap and bring to surface the hidden literary talent in our young students. I would also like to express my immense appreciation to Magazine, editor Mr. Antonio Kumar who gave his precious time in the publication of magazine. At last I would also like to express my appreciation to all respected persons for taking out their precious time to contribute to (Inspiration) by imparting their vital message for this issue.

With Best Wishes

Pramod Kumar Singh
Vice Principal SMPPS

EDITORIAL

Dear Readers,

It gives me immense pleasure and happiness in placing IInd issue of our school magazine 'INSPIRATION' before you this has been made possible with the grace and blessings of our Maharaj Ji 'Giridhar Narayan Maharaj Jr' and sant Mandali and by the Constant inspiration and guidance of our Principal Mrs. Ravinder Birdie and Manager Sir Shree Shree Bhagwan Pandey Ji and the active involvement of all our well-wisher. We continuously aim to foster a rich thinking environment where students will actively involve themselves in meaningful work. We believe that within each student is a leader, doctor, poet etc and education is about empowering students to discover themselves-who they are as people and supporting them in developing their natural curiosity and interests. Children are one of the most fascinating creatures on this planet. Their characteristics can act as a rolemodel for many of us. A child dreams - with a small scrap of paper he flies, he becomes a pilot who can reach to any heights of imagination one can even dream of. He has his unique ability to transform the same scrap into different other forms. A child derives joy from every bits and pieces. He is ready to compromise in him lies the strength to modify his thoughts. He is so flexible in his thoughts that an aircraft a moment ago becomes an imagination only to transform into a superhero and the process goes on for days and years till he loses that inherent skill of thinking beyond the unimaginable.

Last but not least a big and heartiest thank you to all those who have contributed in making it a reality. We wish to thank the management, our principal, teachers and students for giving us this wonderful opportunity of show casing our varied talents. The subject of 'Inspiration' is multidimentional. I hope that avoiding the mistakes, you encourage me. I need this belief.

Antonio Kumar
Editor, SMPPS

Inauguration Ceremony

Our Guests

Children's Day

Our Art Gallery

Fun With Paint & Brush

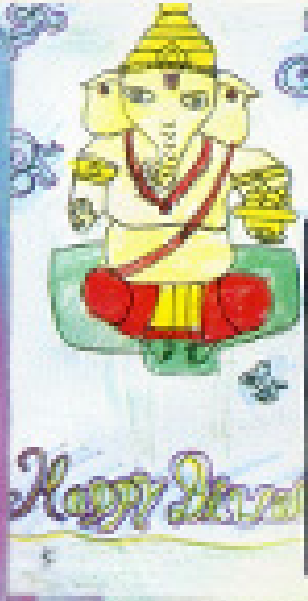

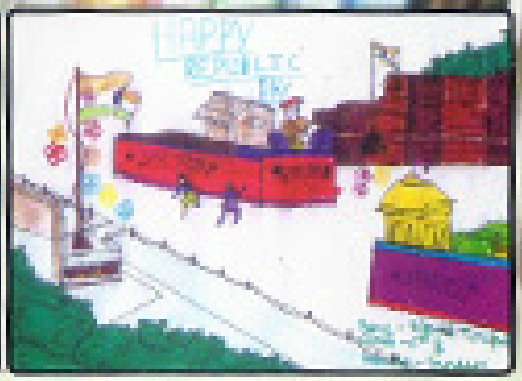

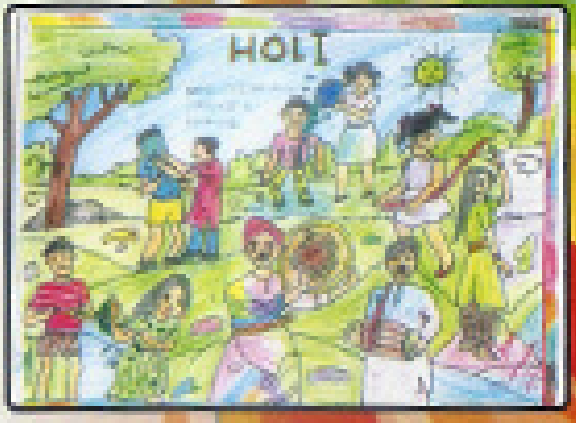

Prize Distribution

Glimpses of Good Time in The School

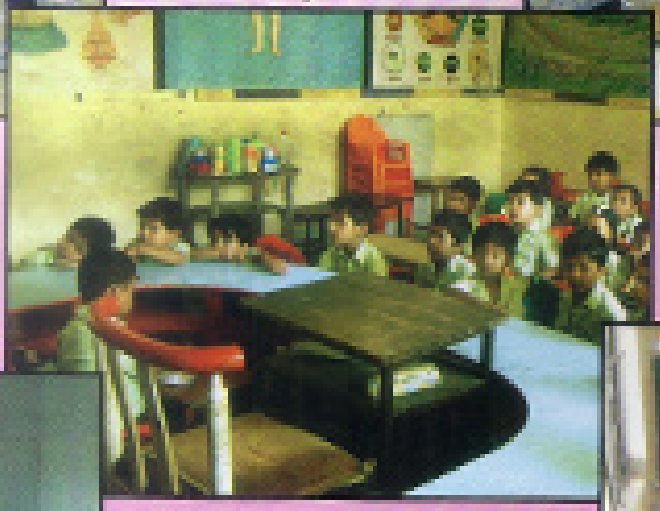

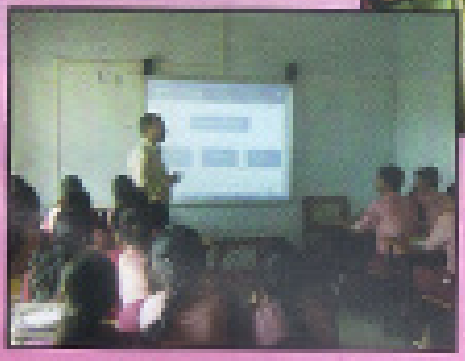

Our School & College

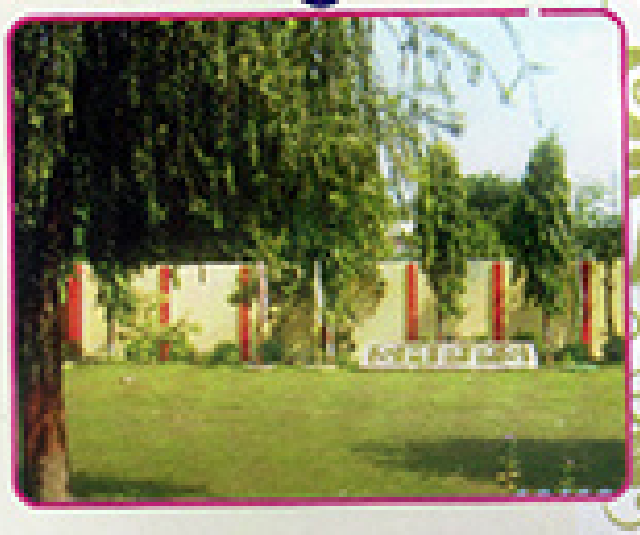

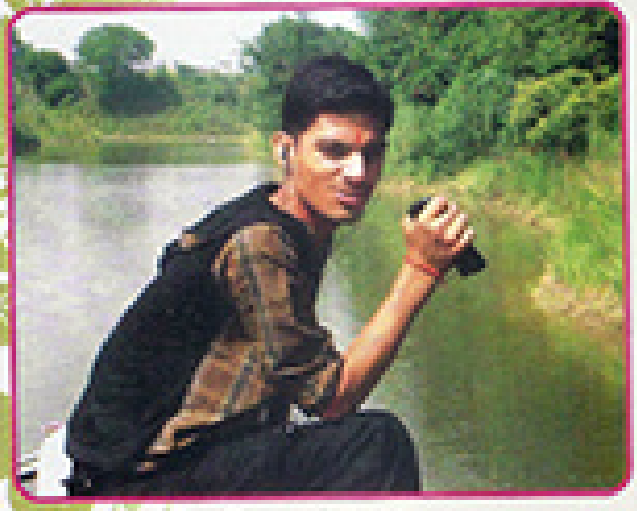

Memorable Moments

School Labs

Biology Lab

Computer Lab

Chemistry Lab

Physic Lab

Chemistry Lab

Computer Lab

Biology Lab

Physic Lab

School Tours

Independence Day

A Hearty Congratulations !!!

Abhishak Singh
CGPA-10

Anand Kumar Class XII
Science Topper

Ruchi Pandey
CGPA-9.8

Kalindi Srivastava
CGPA-9.6

Divya Tripathi
CGPA-9.4

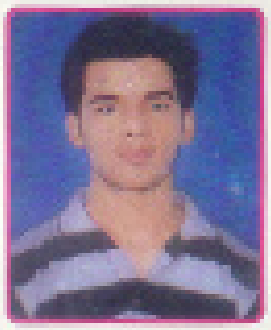

Korunesh Mishra
CGPA-9

Aman Yadav
CGPA-9

Abhinav Singh
CGPA-10

Our Toppers

PARENTS-TEACHER MEETING

Office Staff

Mr. R. P. Rai

Mr. Rakesh Goniyal

Mr. Ramdas

Mrs. Lalita Dwivedi

Mr. Hareram Dwivedi

Mr. Brijesh Kumar Mrs. Neelima Rawat

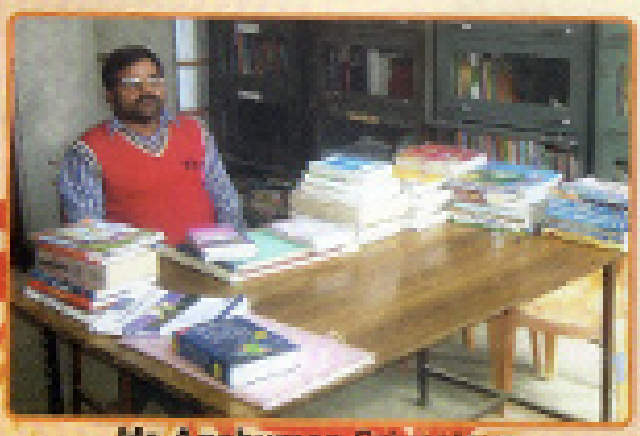

Mr. Anshuman Srivastava

Mrs. Pratibha Shukla

Sports Activities

Happy Moments with Chairman C.B.S.E. Mr. Vineet Joshi

Visit by R. O. C.B.S.E. Allahabad Mr. Rajbeer Singh

School Houses

RED HOUSE

GREEN HOUSE

BLUE HOUSE

YELLOW HOUSE